Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 23
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार, 30 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 नवी मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय में ...

4 चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, लेकिन बढ़ती ...

7 ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने किया मैक्सवेल ...

'अजित दादा' पंचतत्व में विलीन

परिवार समेत समर्थकों ने नम आंखों से दी विदाई; अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

बारामती। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को गुरुवार को उनके गृहनगर बारामती में अंतिम विदाई दी गई। एक दुखद विमान हादसे में उनके निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है। अजित पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में भारी संख्या में समर्थक अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे।

'अजित दादा अमर रहें' के नारे से गूंजा बारामती

अंतिम संस्कार की रस्में दोपहर में शुरू हुईं। अजित पवार के बेटों, पार्थ और जय ने अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार अपने आंसू नहीं रोक पा रही थीं। जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लिपटा हुआ उनके गांव काटेवाड़ी से विद्या प्रतिष्ठान मैदान लाया गया। मैदान में मौजूद हजारों लोगों ने 'अजित दादा अमर रहें' के नारे लगाए, जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया।

अंतिम संस्कार में शामिल हुए कई केंद्रीय मंत्री

इस दुखद घड़ी में देश और राज्य के कई बड़े नेता बारामती पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। अजित पवार के चाचा और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार भी वहां मौजूद थे। वे पूरे समय चुपचाप बैठे रहे और अपने भतीजे को अंतिम

विदाई दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी पुणे से बारामती पहुंचे और पुष्पचक्र अर्पित किए।

अजित पवार की चचेरी बहन और सांसद सुप्रिया सुले पूरे समय सुनेत्रा पवार के साथ खड़ी रहीं और उन्हें सांत्वना देती रहीं। अंतिम संस्कार में प्रफुल्ल पटेल, रामदास अठावले, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे और अशोक चव्हाण जैसे दिग्गज नेता भी शामिल हुए। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भी काटेवाड़ी जाकर अजित पवार को श्रद्धांजलि दी। अभिनेता रितेश देशमुख भी इस मौके पर मौजूद थे।

अजित पवार अपने अनुशासन के लिए जाने जाते थे। अंतिम संस्कार के दौरान लाउडस्पीकर से बार-बार लोगों से शांति और अनुशासन बनाए रखने की अपील की गई। प्रशासन ने कहा कि शांति बनाए रखना ही 'दादा' के लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। अजित पवार के भाई श्रीनिवास पवार, बहनें और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उन्हें नमन किया।

कैसे हुआ हादसा?

यह हादसा बुधवार को तब हुआ जब अजित पवार का विमान बारामती एयरस्ट्रिप के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान लैंडिंग से महज 200 मीटर पहले गिर गया और उसमें आग लग गई। इस हादसे में अजित पवार के साथ चार अन्य लोगों की भी मौत हो गई। मृतकों में पायलट कैप्टन सुमित कपूर, को-पायलट कैप्टन शाम्भवी पाठक, सुरक्षा अधिकारी विदीप जाधव और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली शामिल थे। इन सभी के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं।

ब्लैक बॉक्स हुआ बरामद

हादसे की जांच के लिए पुलिस ने आकस्मिक मौत (एडीआर) का मामला दर्ज किया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। इसमें फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर शामिल हैं, जिससे हादसे की असली वजह पता चल सकेगी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, खराब विजिबिलिटी की वजह से विमान को लैंडिंग में दिक्कत हुई थी।

'मिया' शब्द को लेकर सीएम सरमा का विपक्ष पर हमला, कहा- पढ़ें सुप्रीम कोर्ट का आदेश

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा अक्सर अवैध बांग्लादेशी शरणार्थियों को संबोधित करने के लिए 'मिया' शब्द का उपयोग करते हैं। विपक्ष इस शब्द को लेकर लगातार उन पर निशाना साधता है और राज्य में सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाता है। विपक्ष के इस आरोप पर गुरुवार को सीएम सरमा ने पलटवार किया।

'सुप्रीम कोर्ट का आदेश पढ़ें विपक्ष'

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जो लोग इस शब्द को लेकर उनकी आलोचना कर रहे हैं, उन्हें पहले सुप्रीम कोर्ट का आदेश पढ़ लेना चाहिए, जिसमें राज्य में हो रहे चुपचाप और भेदभावपूर्ण जनसांख्यिकीय अतिक्रमण का उल्लेख किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह शब्द उनकी निजी भाषा या कल्पना नहीं है और न ही कोई राजनीतिक अतिशयोक्ति है। उनका प्रयास असम की पहचान, सुरक्षा और भविष्य की रक्षा के लिए है, न कि किसी धर्म या किसी भारतीय नागरिक को निशाना बनाने के लिए।

सीएम ने अपने पोस्ट में क्या कहा?

गुरुवार को किए गए अपने पोस्ट में

सरमा ने कहा कि असम में चुपचाप और द्वेषपूर्ण तरीके से हो रहे जनसांख्यिकीय अतिक्रमण के कारण निचले असम के भू-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जिले खतरे में पड़ सकते हैं। उनका कहना था कि अवैध प्रवासियों की आमद इन जिलों को मुस्लिम बहुल क्षेत्र में बदल रही है। इसलेक परिणामस्वरूप बांग्लादेश से इनके विलय की मांग उठ सकती है। निचले असम के हाथ से निकल जाने पर उत्तर-पूर्वी भारत का भूभाग शेष भारत से अलग हो जाएगा और क्षेत्र के समृद्ध प्राकृतिक संसाधन राष्ट्र के लिए खो जाएंगे।

असम में दशकों से चली आ रही समस्या

सीएम ने कहा कि जब सर्वोच्च न्यायालय 'जनसांख्यिकीय अतिक्रमण' जैसे शब्दों का प्रयोग करता है और क्षेत्र व राष्ट्रीय एकता के संभावित नुकसान की चेतावनी देता है, तो इसे स्वीकार करना किसी समुदाय के खिलाफ घृणा या सांप्रदायिकता नहीं है। यह असम में दशकों से चली आ रही गंभीर समस्या की वास्तविकता को दर्शाता है।

कर्नाटक सरकार का फैसला, सरकारी डॉक्टर निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों का नहीं कर सकते इलाज

बंगलूरू। बिहार के बाद कर्नाटक ने भी सरकारी डॉक्टरों को निजी अस्पतालों में इलाज करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने गुरुवार को कहा कि सरकारी डॉक्टरों को निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों का इलाज करने से सख्ती से प्रतिबंधित किया गया है। मंत्री ने कहा कि सरकारी डॉक्टरो को अपने नियमित सरकारी कर्तव्यों को पूरा करने के बाद निजी क्लीनिकों अथवा अस्पतालों के केवल बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में

ही सेवा देने की अनुमति है।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि सरकारी चिकित्सकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इससे स्वास्थ्य क्षेत्र में नियमित सरकारी कार्य बाधित न हों। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को निजी अस्पतालों में इस तरह की अपनी सेवा के बारे में पूरी जानकारी सरकार को देनी होगी। इन शर्तों का उल्लंघन करने पर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

देश की 97 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में भारतनेट कनेक्टिविटी उपलब्धः ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि देशभर की 97 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में भारतनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध करा दी गई है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए सिंधिया ने कहा कि भारतनेट दुनिया की सबसे बड़ी ग्रामीण दूरसंचार परियोजनाओं में से एक है और इसे चरणबद्ध तरीके से देश की सभी ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लागू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'भारतनेट-एक और दो परियोजनाओं के तहत चिन्हित लगभग 2,22,000 ग्राम पंचायतों में से 2,15,000 ग्राम पंचायतों को पहले ही कनेक्टिविटी प्रदान की जा चुकी है। इसका अर्थ है कि 97 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 100 प्रतिशत

कवरेज हासिल न हो पाने के पीछे कुछ क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति, उनसे जुड़ी कठिनाइयां और वामपंथी उग्रवाद जैसी चुनौतियां प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बताया कि शेष लगभग तीन प्रतिशत लक्ष्य, यानी करीब 7,000 ग्राम पंचायतों में अब तक कनेक्टिविटी नहीं पहुंच पाई है, क्योंकि ये क्षेत्र अत्यंत पहाड़ी, दुर्गम हैं और कुछ स्थानों पर वामपंथी उग्रवाद की समस्या भी है।

सिंधिया ने कहा कि परियोजना के शुरुआती चरण में 'राइट ऑफ वे'प्राप्त करने में काफी कठिनाई हो रही थी, जिसके बाद सरकार ने इस संबंध में राजपत्रित अधिसूचना जारी की।

उन्होंने बताया कि 'राइट ऑफ वे' का तात्पर्य सार्वजनिक और निजी संपत्तियों पर दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा बुनियादी ढांचे की स्थापना करने और उनके संचालन से जुड़े नियमों और अधिकारों से है।

सिंधिया ने कहा कि अब संबंधित राज्य सरकारों को यह बताया जा रहा है कि 'राइट ऑफ वे' प्राप्त करने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। भारतनेट परियोजना को 25 अक्टूबर 2011 को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिली थी।

इस परियोजना का क्रियान्वयन एक विशेष प्रयोजन इकाई 'भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड' (बीबीएनएल) द्वारा किया जा रहा है, जिसकी स्थापना 25 फरवरी 2012 को भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत की गई थी। उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल 2016 को दूरसंचार आयोग ने इस परियोजना को तीन चरणों में लागू करने की स्वीकृति दी थी।

टेक्सटाइल सेक्टर को मिलेगी नई जान,एम.के. स्टालिन ने की 20 प्रतिशत पूंजी सब्सिडी की घोषणा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने गुरुवार को कपड़ा क्षेत्र को और मजबूत करने के तमिलनाडु सरकार के प्रयासों के तहत उन्नत कपड़ा और परिधान मशीनरी की खरीद पर 20 प्रतिशत की पूंजी सब्सिडी की घोषणा की। कोयंबटूर के कोडिसिया व्यापार मेला परिसर में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, सामाजिक न्याय के साथ समावेशी विकास सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ शासन मॉडल के तहत, कपड़ा क्षेत्र ने ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी और जूते निर्माण जैसे क्षेत्रों के बराबर तीव्र वृद्धि दर्ज की है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तमिलनाडु पिछले पांच वर्षों से भारत का सबसे बड़ा रेडीमेड वस्त्र निर्यातक रहा है, जो देश के कुल वस्त्र व्यापार का 33 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने कहा

कि यह क्षेत्र 31 लाख श्रमिकों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है, जिनमें से 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं, जो महिला सशक्तिकरण में इस क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित करता है।

राज्य सरकार द्वारा इस क्षेत्र के महत्व को देखते हुए एक अलग वस्त्र विभाग के गठन का उल्लेख करते हुए, स्टालिन ने तमिलनाडु के वस्त्र उद्योग को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए हथकरघा और वस्त्र मंत्री आर गांधी और अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है, जिनमें नए बाजारों की खोज करना और केंद्र सरकार से कपास पर लगे 11 प्रतिशत आयात शुल्क को वापस लेने का आग्रह करना शामिल है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करने में सहायक होगा, विशेष रूप से भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौतों के संदर्भ में। इस कार्यक्रम के अंतर्गत तमिलनाडु की नई एकीकृत वस्त्र नीति 2025-26 का विमोचन किया गया। उद्योग जगत के हितधारकों की मांगों के जवाब में, स्टालिन ने अत्याधुनिक बुनाई और सिलाई मशीनों की खरीद के लिए 20 प्रतिशत पूंजी सब्सिडी की घोषणा की, जिसके लिए योजना के तहत प्रति वर्ष 30 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

बीजेपी का क्लीन स्वीप, इंडिया गठबंधन की आपसी फूट से मिली बड़ी जीत

चंडीगढ़ ।चंडीगढ़ नगर निगम में महापौर, वरिष्ठ उप महापौर और उप महापौर के चुनाव गुरुवार (29 जनवरी) को हुए, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली और हाथ उठाकर मतदान के जरिए फैसला हुआ। भाजपा उम्मीदवार सौरभ जोशी महापौर पद पर विजयी हुए, उन्हें 18 वोट मिले जो 35 सदस्यीय विधानसभा में उनकी पार्टी के पार्षदों की संख्या के बराबर है। सुबह लगभग 11 बजे शुरू हुई खुली मतदान प्रक्रिया ने लॉटरी की आवश्यकता के बिना ही चुनाव पूर्व गतिरोध को समाप्त कर दिया, जिससे अटकलों का अंत हुआ।

जसमनप्रीत सिंह वरिष्ठ उप महापौर चुने गए

चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में भाजपा उम्मीदवार जसमनप्रीत सिंह ने वरिष्ठ उप महापौर का पद जीत लिया है, जिससे सौरभ जोशी की महापौर जीत के बाद भाजपा की पकड़ और मजबूत हो गई है। यह जीत तीन उम्मीदवारों के बीच

हुए मुकाबले में मिली है, जो महापौर चुनाव की स्थिति को दर्शाती है।

सुमन शर्मा उप महापौर पद पर चुनी गईं

भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार सुमन शर्मा चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में नई उप महापौर चुनी गई हैं।

महापौर पद के लिए मतदान का विवरण

सौरभ जोशी (भाजपा) को 18 वोट मिले, आम आदमी पार्टी के योगेश ढिंगरा को 11 और कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह गब्बी को 7 वोट मिले–जिनमें मौजूदा सांसद मनीष तिवारी का समर्थन भी शामिल है। भाजपा के वोटों की संख्या 35 सदस्यीय सदन में उसके 18 पार्षदों की संख्या के बराबर है।

पारदर्शी हाथ उठाकर मतदान प्रक्रिया

चुनाव में गुप्त मतदान की जगह हाथ उठाकर मौखिक पुष्टि की गई, जिसकी देखरेख मनोनीत पार्षद रामनीक सिंह बेदी ने पीठासीन अधिकारी के रूप में की। इस खुली पद्धति से भाजपा के 18, आम आदमी पार्टी के 11, कांग्रेस के 6 सदस्यों और सांसद के पदेन वोट के कारण क्रॉस-वोटिंग का खतरा कम हो गया।

भारत ने 5-6 फरवरी को बंगाल की खाड़ी के ऊपर नोटम जारी किया, मिसाइल परीक्षण की संभावना

नई दिल्ली। भारत ने बंगाल की खाड़ी में एक निर्दिष्ट क्षेत्र के लिए वायुसैनिकों को सूचना (नोटम) जारी की है, जिसमें संभावित मिसाइल परीक्षण का उल्लेख है। यह सूचना 5 से 6 फरवरी तक प्रभावी रहेगी, जिससे इस अवधि के दौरान हवाई क्षेत्र प्रतिबंधित रहेगा।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अधिसूचित परीक्षण गलियारे की अनुमानित रेंज लगभग 2,530 किलोमीटर है, जो एक लंबी दूरी की रणनीतिक गतिविधि का संकेत देती है। नोटम जारी होने से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि भारत समुद्र आधारित मिसाइल परीक्षण की तैयारी कर रहा है। हालांकि, इस गतिविधि में शामिल मिसाइल प्रणाली या प्रक्षेपण मंच के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सुरक्षा और समन्वय सुनिश्चित करने के लिए समुद्र पर किए जाने वाले प्रमुख रणनीतिक परीक्षणों से पहले इस तरह की सूचनाएं नियमित रूप से जारी की जाती हैं। इससे पहले दिसंबर में, 22 से 24 दिसंबर के बीच बंगाल की खाड़ी के ऊपर 3,240 किलोमीटर के क्षेत्र के लिए इसी तरह का नोटम जारी किया गया था।

नोटम तब जारी किया जाता है जब किसी विशिष्ट हवाई क्षेत्र को नागरिक विमानों के आवागमन से मुक्त करना आवश्यक होता है। पाकिस्तान के साथ पूर्व तनाव के दौरान भी इसी तरह के नोटिस जारी किए गए थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी यात्री विमान संभावित हवाई अभियानों के बीच न फंस जाए। यह वाणिज्यिक विमानों को सैन्य गतिविधि वाले क्षेत्रों से दूर रखकर नागरिक हताहतों को रोकने में सहायक होता है।

मौत का तांडव, 21 शव बरामद, 28 लापता; बीजेपी बोली- टीएमसी सरकार की लापरवाही

कोलकाता। कोलकाता के पास 26 जनवरी को लगी आग में मरने वालों की संख्या 21 हो गई है, जले हुए भवनों से 13 और शव बरामद किए गए हैं। 28 अन्य लोग अभी भी लापता हैं, और आशंका है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस ने इलाके में सार्वजनिक आवाजाही पर प्रतिबंध लगाते हुए निषेधाज्ञा भी लागू कर दी है। तड़के दक्षिण 24 परगना जिले के आनंदपुर में लगी भीषण आग दो गोदामों और एक मोमो कंपनी की निर्माण इकाई तक फैल गई। मृतकों की संख्या अब बढ़कर 21 हो गई है, जिनमें से 13 से अधिक शव इमारतों से बरामद किए गए हैं। घटना की प्रकृति और क्षति की सीमा को देखते हुए, मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

इस बीच, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को आग से प्रभावित नाजिराबाद क्षेत्र का दौरा किया, जहां बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू थी, लेकिन उन्होंने वास्तविक घटनास्थल में प्रवेश करने से परहेज किया और कहा कि वह कानून का पालन करेंगे। आधी रात से इलाके में बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। अधिकारी ने सरकार पर 'लापरवाही' बरतने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि दमकल सेवाएं घटनास्थल पर देर से पहुंचीं। उन्होंने दावा किया, 'इस घटना के बाद भी टीएमसी सरकार सच्चाई छिपाने की कोशिश कर रही है। भाजपा नेता ने यह भी सवाल उठाया कि जब सरकार विपक्षी नेता को घटनास्थल पर जाने से रोकने के लिए इतनी सक्रिय है, तो मंत्रियों और टीएमसी नेताओं को वहां जाने की अनुमति क्यों दी गई? भाजपा नेता के हवाले से यह बात कही गई है।

सोमवार को लगी भीषण आग ने गोदामों और एक विनिर्माण इकाई को पूरी तरह से नष्ट कर दिया, जिससे जली हुई इमारतें और श्रमिकों के शव ही बचे। इससे पहले, अधिकारियों ने बताया कि बरामद किए गए 21 शवों या शरीर के अंगों की पहचान स्थापित करने के लिए गुरुवार से डीएनए मैपिंग शुरू होने की संभावना है। पुलिस ने इस मामले में यथासंभव अधिक से अधिक शवों की पहचान करना अत्यावश्यक बताया।

महिला रोजगार योजना के लाभुकों को दो लाख रुपए तक अतिरिक्त सहायता देने की प्रक्रिया शुरू : नीतीश कुमार

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चयनित लाभुकों को दो लाख रुपए तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह राशि चरणबद्ध तरीके से दी जाएगी, बशर्ते पूर्व में दी गई सहायता राशि का सदुपयोग कर लाभुकों ने रोजगार शुरू किया हो। उन्होंने कहा कि यदि

रोजगार सुचारू रूप से चल रहा हो तो आवश्यकता के अनुसार एकमुश्त राशि भी प्रदान की जा सकती है।

नीतीश कुमार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है, ताकि प्रत्येक परिवार की एक महिला, उद्यमी के रूप में स्थापित हो सके।''

उन्होंने बताया कि इस योजना के प्रथम चरण में प्रत्येक परिवार की एक महिला को 10 हजार रुपए की राशि दी गई है। अब तक एक करोड़ 56 लाख लाभुकों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से राशि अंतरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शेष आवेदकों को भी नियमानुसार डीबीटी के माध्यम से शीघ्र ही उनके खातों में राशि भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत महिलाओं द्वारा रोजगार शुरू करने के छह माह बाद आकलन किया जाएगा और आवश्यकता के अनुसार दो लाख रुपए तक की अतिरिक्त सहायता राशि दिए जाने का प्रावधान है।

मुंबई की जहरीली हवा पर हाईकोर्ट सख्त, निगरानी के लिए बनेगी हाई-पावर कमेटी; रोज होगी समीक्षा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई और आसपास के इलाकों में बढ़ते वायु प्रदूषण पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए एक उच्चस्तरीय (हाई-पावर) समिति गठित करने का फैसला किया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि अब तक राज्य और नगर निकायों द्वारा उठाए गए कदम नाकाफी हैं और आम लोगों को शुद्ध हवा में जीने का अधिकार मिलना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह किसी पर आरोप नहीं लगा रहा, बल्कि परिणाम सुनिश्चित करना चाहता है।

क्या है अदालत की चिंता?

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर की अगुवाई वाली खंडपीठ ने कहा कि अक्टूबर 2023 में स्वतः संज्ञान लेने के बाद से हालात में अपेक्षित सुधार नहीं दिखा। नवंबर 2023 में अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक उपाय सुझाए गए थे, लेकिन ज़मीनी असर नजर नहीं आया। दिसंबर में प्रदूषण स्तर 'बहुत गंभीर' तक पहुंचने की रिपोर्ट ने अदालत की चिंता बढ़ाई।

अब तक के कदम क्यों नाकाम रहे?

अदालत ने कहा कि महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मुंबई-नवी मुंबई

की नगरपालिकाओं की ओर से दाखिल हलफनामे पर्याप्त नहीं हैं। प्रयास किए गए होंगे, लेकिन नतीजे दिखाई नहीं दे रहे। कोर्ट ने यह भी माना कि बढ़ते मामलों और सीमित समय के कारण हर हलफनामे की सूक्ष्म जांच संभव नहीं, इसलिए निगरानी के लिए अलग व्यवस्था जरूरी है।

हाई-पावर कमेटी क्या करेगी?

समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश करेंगे।

समिति रोजाना बैठक कर अनुपालन की समीक्षा करेगी। नगर निकायों और संबंधित एजेंसियों से प्रगति रिपोर्ट तलब करेगी। जरूरी सुविधाएं और अधिकार समिति को दिए जाएंगे, ताकि निर्णय लागू हो सकें।

नागरिकों को मुआवजे का संकेत

अदालत ने यह भी संकेत दिया कि प्रदूषण से प्रभावित नागरिकों को मुआवजा देने के सुझाव पर विचार हो सकता है। नवी मुंबई नगर निगम की ओर से मौजूदा वैधानिक निकायों का हवाला दिया गया, लेकिन कोर्ट ने कहा कि मौजूदा कार्यवाही में ऐसे निकायों की ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई, इसलिए समिति को कुछ अधिकार देना जरूरी है।

कोर्ट ने कहा कि समिति के सदस्यों के नाम लिखित आदेश में तय किए जाएंगे। उद्देश्य स्पष्ट है केवल कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि वास्तविक सुधार। अदालत ने दोहराया कि मुंबई जैसे महानगर में प्रदूषण कम करना प्राथमिकता होनी चाहिए और सभी एजेंसियों को जवाबदेह बनाया जाएगा।

मुंबई में वायु गुणवत्ता का लगातार बिगड़ना स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। अदालत का यह कदम निगरानी, जवाबदेही और परिणाम-आधारित कार्रवाई की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे शहरी हवा की गुणवत्ता में ठोस सुधार की उम्मीद जगी है।

पश्चिम रेलवे, रतलाम मंडल एवं आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

रतलाम। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल में ट्रैफिक गेटमैन एवं पॉइंट्समैन के पदों पर पूर्व सैनिकों की तैनाती हेतु पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल एवं आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर 29 जनवरी 2026 को हस्ताक्षर किए गए। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत रतलाम मंडल के विभिन्न स्थानों पर पूर्व सैनिकों को ट्रैफिक पॉइंट्समैन के रूप में तैनात किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से लगभग 100 ट्रैफिक पॉइंट्समैन का नियोजन प्रस्तावित है। यह समझौता मंडल रेल प्रबंधक, रतलाम श्री अश्वनी कुमार के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन का परिणाम है।

इस समझौते के साथ ही रतलाम मंडल पश्चिम रेलवे का पहला ऐसा मंडल बन गया है, जिसने इस प्रकार का एमओयू हस्ताक्षरित किया है। यह भारतीय रेलवे में पूर्व सैनिकों को पॉइंट्समैन के रूप में तैनाती करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल है। इसके साथ ही रतलाम मंडल उन चुनिंदा मंडलों में शामिल हो गया है, जहाँ इस तरह के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

समझौता ज्ञापन पर रतलाम मंडल की ओर से वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री आलोक चतुर्वेदी एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अविनाश कुमार ने, जबकि आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन की ओर से कर्नल श्री मुकेश कुमार तिवारी (सेवानिवृत्त) ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के अंतर्गत चयनित पूर्व सैनिकों की भौतिक तैनाती आगामी 15 दिनों के भीतर प्रारंभ की जाएगी। यह समझौता दोनों संगठनों के बीच दीर्घकालिक एवं फलदायी सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे रेल परिचालन की सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मंत्रालय में दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित और समयनिष्ठ नेतृत्व का हुआ निधन– अपर मुख्य सचिव विकास खड़गे

दिव्यांश

राज्य के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के अवसर पर मंत्रालय के त्रिमूर्ति परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ओर से आयोजित शोकसभा में उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने सेवाकाल के दौरान सरकारी कर्तव्यों का ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यभाव से निर्वहन किया। उनके निधन से राज्य सरकार ने एक कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित और समयनिष्ठ नेतृत्व खो दिया है, ऐसा शोक व्यक्त करते हुए अपर मुख्य सचिव विकास खड़गे ने उपस्थित जनों की ओर से कहा।

इस अवसर पर मंत्रालय के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. इकबाल सिंह चहल, मनीषा म्हैस्कर, अश्विनी भिड़े, असीम कुमार गुप्ता, विकास चंद्र रस्तोगी, वेणुगोपाल रेड्डी, अनुप कुमार सिंह, राधिका रस्तोगी, एकनाथ दावले, सौरभ विजय, डॉ. हर्षदीप कांबले, अतुल पाटणे, संजय खंडारे, एस. चोक्कलिंगम, रणजीतसिंह देओल, विरेंद्र सिंह, गणेश पाटिल, संतोष कुमार, दिलीप घुमरे, जयश्री भोज, अंशु सिन्हा, राजेश गावंडे, विजय वाघमारे तथा मकरंद देशमुख सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिवंगत अजित पवार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई तथा उन्हें इस गहरे दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर मंत्रालय के बड़ी संख्या में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

'मेरा टिकट, मेरी शान - विकसित भारत के लिए मेरा योगदान'

'मंडल रेल प्रबंधक, रतलाम ने किया यात्री जागरूकता अभियान का शुभारंभ'

रतलाम। रेल यात्रियों में टिकट खरीद के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल द्वारा वाणिज्य विभाग के माध्यम से 29 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक 'मेरा टिकट, मेरी शान - विकसित भारत के लिए मेरा योगदान' यात्री जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार द्वारा 29 जनवरी 2026 को इंदौर रेलवे स्टेशन से किया गया। इस अवसर पर उन्होंने रेल यात्रियों से संवाद स्थापित कर रेलवे द्वारा किए जा रहे सुधारात्मक एवं विकासात्मक कार्यों के संबंध में उनकी प्रतिक्रिया जानी। यात्रियों की ओर से रेलवे की सेवाओं एवं पहलों को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई तथा वे रेलवे के कार्यों से संतुष्ट दिखाई दिए। कार्यक्रम में रतलाम मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, रेलवे कर्मचारी, रेल यात्री एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए मंडल रेल प्रबंधक रतलाम श्री कुमार ने बताया कि मेरा टिकट मेरी शान अभियान का उद्देश्य हमारे सम्माननीय यात्रियों में यह संदेश देना है कि टिकट लेकर न केवल आप अपना दायित्व निभा रहे हैं बल्कि देश के विकास में भी आम

एक अहम योगदान दे रहे हैं। इसके साथ ही श्री कुमार ने रेलवन मोबाइल ऐप के बारे में भी मीडिया को जानकारी दी।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रेल यात्रियों से अपील की गई है कि वे RailOne ऐप, एटीवीएम अथवा बुकिंग काउंटर से टिकट लेकर ही यात्रा करें। उन्होंने बताया कि RailOne एक ऑल-इन-वन डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से यात्री आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग, लाइव ट्रेन स्थिति, पीएनआर जानकारी, भोजन सेवा तथा यात्री सहायता जैसी अनेक सुविधाओं का एक ही स्थान पर लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि टिकट लेकर यात्रा करना न केवल एक कानूनी दायित्व है, बल्कि विकसित भारत के निर्माण में नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान भी है। देश के विभिन्न हिस्सों में आधुनिक रेलगाड़ियाँ चलाई जा रही हैं तथा स्टेशनों का निरंतर आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जो भारत की प्रगति और पहचान का प्रतीक है। इन सभी विकासात्मक कार्यों में यात्रियों द्वारा खरीदे गए टिकटों का अमूल्य योगदान होता है। रेल टिकट से ही रेल तंत्र सशक्त बनता है, रेलगाड़ियाँ अधिक सुरक्षित एवं आधुनिक होती हैं, यात्री सुविधाओं में सुधार होता है तथा रेल नेटवर्क के विस्तार एवं स्टेशनों के कायाकल्प को गति मिलती है।

इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रतलाम मंडल के प्रमुख चार स्टेशनों इंदौर, रतलाम, उज्जैन एवं चित्तौड़गढ़ पर यह अभियान विशेष रूप से संचालित किया जा रहा है। इन स्टेशनों पर जागरूकता स्टॉल लगाए गए हैं, सेल्फी प्वाइंट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है तथा बैनर एवं पोस्टर के माध्यम से यात्रियों को टिकट लेकर यात्रा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नुक्कड़ नाटक, वीडियो संदेशों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी रेल यात्रियों में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है।

रेलवे सुरक्षा बल के उप निरीक्षक को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वडोदरा मंडल के रेलवे सुरक्षा बल के उप निरीक्षक श्री अनवर हुसैन, को उनकी सराहनीय, निष्ठावान एवं उत्कृष्ट सेवा के लिए माननीय राष्ट्रपति महोदया द्वारा गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर 'इंडियन पुलिस मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस' से सम्मानित किया गया।

श्री अनवर हुसैन द्वारा अपने सेवाकाल के दौरान यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उच्च स्तर की प्रतिबद्धता, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया गया है। उनकी सेवाएं रेलवे सुरक्षा बल के मूल्यों और आदर्शों को प्रतिबिंबित करती हैं।

यह सम्मान न केवल श्री अनवर हुसैन के लिए, बल्कि सम्पूर्ण रेलवे सुरक्षा बल एवं वडोदरा मंडल के लिए गौरव का विषय है तथा यह आरपीएफ कर्मियों द्वारा राष्ट्र सेवा में दिए जा रहे सतत योगदान का प्रमाण है।

सफाले और केलवे रोड के बीच ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें होंगी प्रभावित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुल संख्या 114 पर गर्डरों के डी-लॉन्चिंग कार्य के लिए सफाले और केलवे रोड के बीच निम्न कार्यक्रम के अनुसार ब्लॉक लिया जाएगा। 31 जनवरी, 2026 को अप लाइन पर 02:15 बजे से 03:15 बजे तक तथा डाउन लाइन पर 01:45 बजे से 05:45 बजे तक ब्लॉक रहेगा। 01 फरवरी, 2026 को अप लाइन पर 00:30 बजे से 04:30 बजे तक तथा डाउन लाइन पर 00:30 बजे से 04:00 बजे तक ब्लॉक लिया जाएगा। इसी प्रकार, उपर्युक्त अवधि के दौरान कुछ ट्रेन सेवाएँ प्रभावित रहेंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रभावित ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

निरस्त होने वाली ट्रेनेंः

1. 31 जनवरी, 2026 को दहानू रोड से 07:00 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 93006 दहानू रोड-विरार मेमू
2. 31 जनवरी, 2026 को विरार से 04:50 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 93001 विरार-दहानू रोड मेमू रेगुलेट/रिशेड्युल होने वाली ट्रेनेंः
1. 31 जनवरी, 2026 को विरार से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 69141 विरार-सूरत मेमू 30 मिनट रेगुलेट होगी।
2. 30 जनवरी, 2026 को बरौनी से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 19038 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 1 घंटा 30 मिनट रेगुलेट होगी।
3. 30 एवं 31 जनवरी, 2026 को ओखा से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 22946 ओखा-मुंबई सेंट्रल मेल एक्सप्रेस क्रमशः 30 मिनट तथा 1 घंटा 10 मिनट रेगुलेट होगी।

4. 31 जनवरी, 2026 को भुज से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 22904 भुज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस 1 घंटा 30 मिनट रेगुलेट होगी।
5. 31 जनवरी, 2026 को भुसावल से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09052 भुसावल-दादर स्पेशल 50 मिनट रेगुलेट होगी।
6. 31 जनवरी, 2026 को अहमदाबाद से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 22928 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 45 मिनट रेगुलेट होगी।
7. 31 जनवरी, 2026 को वेरावल से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 19218 वेरावल-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 45 मिनट रेगुलट होगी।
8. 31 जनवरी, 2026 को एकता नगर से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 12928 एकता नगर-दादर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 40 मिनट रेगुलेट होगी।
9. 30 जनवरी, 2026 को श्री गंगानगर से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 14701 श्री गंगानगर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 30 मिनट रेगुलेट होगी।
10. 31 जनवरी, 2026 को अहमदाबाद से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 12902 अहमदाबाद-दादर एक्सप्रेस 30 मिनट रेगुलेट होगी।
11. 31 जनवरी, 2026 को इंदौर से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 12962 इंदौर-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस 30 मिनट रेगुलेट होगी।
12. 31 जनवरी, 2026 को इंदौर से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09086 इंदौर-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस 30 मिनट रेगुलेट होगी।
13. 31 जनवरी, 2026 को भगत की कोठी से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस 30 मिनट रेगुलेट होगी।
14. 31 जनवरी, 2026 को हनुमानगढ़ से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 14707 हनुमानगढ़-दादर एक्सप्रेस 30 मिनट रेगुलेट होगी।
15. 01 फरवरी, 2026 को दहानू रोड से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 69174 दहानू रोड-बोरीवली मेमू 30 मिनट रेगुलेट होगी।
16. 31 जनवरी, 2026 को दादर से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 12927 दादर-एकता नगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 1 घंटा 20 मिनट रेगुलेट होगी।
17. 31 जनवरी, 2026 को बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 22923 बांद्रा टर्मिनस-जामनगर एक्सप्रेस 1घंटा रेगुलेट होगी।
18. 01 फरवरी, 2026 को दादर से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 19003 दादर-भुसावल एक्सप्रेस 50 मिनट रेगुलेट होगी। 19. 01 फरवरी, 2026 को बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 19019 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार एक्सप्रेस 50 मिनट रेगुलेट होगी। शॉर्ट टर्मिनेट/शॉर्ट ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनेंः 1. 31 जनवरी, 2026 को प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19101 विरार-भरूच एक्सप्रेस पालघर से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। अतः यह ट्रेन विरार और पालघर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

ई-नीलामी विक्रय कार्यक्रम में शुद्धिपत्र

फरवरी 2026 के दौरान पथ निर्माण (P.WAY) तथा अन्य विभिन्न स्क्रैप के लिए अतिरिक्त ई-नीलामी विक्रय कार्यक्रम

ई-नीलामी विक्रय सूचना क्रमांक SIII/नीलामी कार्यक्रम-1/फरवरी-2026, दिनांक 07/01/2026 निम्नलिखित डिपो के लिए पी.वे (P.Way) स्क्रैप सामग्री के निपटान हेतु जनवरी 2026 में आयोजित किए जाने वाले अतिरिक्त ई-नीलामी कार्यक्रम का विवरण नीचे दिया गया हैः

डिपो	जनवरी, 2026 का अतिरिक्त ई-नीलामी	कार्यक्रम प्रभारी मंडलीय अधिकारी	संपर्क नंबर
अहमदाबाद	04.02.2026	वरिष्ठ मंडलीय सामग्री प्रबंधक - अहमदाबाद	07922205888 09724093750

अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया पश्चिम रेलवे के सामग्री प्रबंधन विभाग की वेबसाइट wr.indianrailways.gov.in तथा www.ireps.gov.in ई-नीलामी पोर्टल पर अवलोकन करें।

(संख्या SIII/नीलामी कार्यक्रम-2/फरवरी 2026, दिनांक 27/01/2026)

1065

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

विमानन मंत्री ने महाराष्ट्र सीएम फडणवीस को लिखा पत्र, हादसे की जांच में सहयोग मांगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को महाराष्ट्र सरकार से सहयोग मांगा, ताकि पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की तेजी से जांच की जा सके। इस विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोग मारे गए थे।

पत्र में विमानन मंत्री ने क्या कहा?

हादसे के एक दिन बाद विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा।

पत्र में उन्होंने दुर्घटनास्थल तक पहुंच, स्थानीय प्रशासनिक मदद और स्थानीय एजेंसियों के साथ तालमेल सहित अन्य कदमों के लिए राज्य सरकार का सहयोग मांगा

उन्होंने कहा कि जांच के परिणाम राज्य सरकार के साथ साझा किए जाएंगे।

बारामती जा रहे थे अजित पवार

अजित पवार बुधवार को निजी विमान से मुंबई से अपने पैतृक शहर बारामती जा रहे थे। उनके साथ चार अन्य सवार थे। लेकिन यह विमान बारामती की टेबलटॉप हवाई पट्टी (एयरस्ट्रिप) से करीब दो सौ मीटर दूर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बच पाया।

हादसे में अजित पवार के अलावा कौन लोग मारे गए?

इस हादसे में अजित पवार के साथ कैप्टन सुमित कपूर (जिनका उड़ान अनुभव 15,000 घंटे का था) सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक (जिनका उड़ान अनुभव 1,500 घंटे का था) पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी विदिप जाधव और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली भी मारे गए।

फडवीस के आग्रह पर विमानन मंत्री ने क्या कहा?

इससे पहले फडणवीस ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया था कि वह इस दुर्घटना का सही कारण पता लगाने के लिए विस्तृत जांच का आदेश दें। उन्होंने भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने का अनुरोध किया। नायडू ने कहा कि उनके मंत्रालय ने ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए मुख्यमंत्री के अनुरोध को ध्यान में रखा है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि जांच के निष्कर्षों के आधार पर जरूरी सुरक्षा सिफारिशें और नियामक या परिचालन संबंधी उपाय एएआईबी, विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) और अन्य संबंधित पक्षों के तालमेल में लागू किए जाएंगे।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

एल.टी.एम.जी. अस्पताल, सायन, मुंबई - 400 022

क्रमांकः LTH/ET-26/T, दिनांक 29/01/26

ई-निविदा सूचना

यह एक ई-निविदा सूचना है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) के आयुक्त द्वारा नीचे दिए गए विवरणानुसार तीन-पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

ई-निविदा की प्रति महा-टेंडर्स पोर्टल (https://mahatenders.gov.in) के 'ई-प्रोक्योरमेंट' अनुभाग से डाउनलोड की जा सकती है।

विषय : एल.टी.एम.जी. अस्पताल के शल्य चिकित्सा विभाग के लिए लैप्रोस्कोपिक हार्मोनिक शियर (मात्रा : 14 शियर) की आपूर्ति। बिड क्रमांक : 2025_MCGM_1258240_1

ई-निविदा शुल्क (रु.)	ईएमडी (रु.)	ऑनलाइन बोली डाउनलोड करने की प्रारंभ तिथि एवं समय	ऑनलाइन बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय
रु. 1,452/- + 18% जीएसटी	रु. 20,000/-	30.01.2026, शाम 04:00 बजे (16:00 घंटे)	05.02.2026, शाम 04:00 बजे (16:00 घंटे)

इच्छुक निविदादाता निविदा से संबंधित अधिक जानकारी के लिए महा-टेंडर्स पोर्टल वेबसाइट https://mahatenders.gov.in पर अवश्य अवलोकन करें। निविदा दस्तावेज डाक द्वारा न तो जारी किए जाएंगे और न ही स्वीकार किए जाएंगे।

पीआरओ/2804/विज्ञा./2025-26 — एल.टी.एम.जी. अस्पताल, सायन

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

नवी मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय में उपमुख्यमंत्री श्री अजितदादा पवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री श्री अजितदादा पवार के 28 जनवरी 2026 को बारामती में हुए विमान हादसे में हुए आकस्मिक और दुखद निधन से पूरा देश गहरे शोक में डूब गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना इतनी चौंकाने वाली थी कि इसे सुनकर हर कोई स्तब्ध रह गया और विश्वास करना कठिन हो गया।

नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से महानगरपालिका मुख्यालय स्थित एम्फीथिएटर में श्री अजितदादा पवार की प्रतिमा पर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे द्वारा पुष्पचक्र अर्पित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार, सभी विभाग प्रमुख, अधिकारी, कर्मचारी तथा उपस्थित नागरिक मौजूद थे और सभी ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के निर्माण और प्रशासन में अमूल्य योगदान देने वाले श्री अजितदादा पवार जैसे महान नेता का अचानक निधन महाराष्ट्र राज्य और उसकी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकसंतप्त परिवार को इस गहरे दुख से उबरने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

आयुक्त ने कहा कि नवी मुंबई महानगरपालिका के मुख्यालय भवन, जिसे एक प्रतिष्ठित (आइकॉनिक) इमारत के रूप में जाना जाता है, के निर्माण में तथा महानगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों को गति देने में श्री अजितदादा पवार का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने बताया कि मंत्रालयीन सेवाकाल के दौरान उन्हें उनके कार्य करने की शैली को निकट से देखने का अवसर मिला। सातारा में कार्य करते समय उन्हें उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कोविड काल के दौरान, जब बड़ी संख्या में श्रमिक अपने गांवों की ओर पलायन कर रहे थे, तब रात 2 बजे भी उनसे बातचीत हुई और उन्होंने तुरंत सहायता उपलब्ध कराई। आयुक्त ने यह भी स्मरण किया कि सीडको में कार्यरत रहते हुए भी विभिन्न विषयों पर उन्हें उनका मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा।

इस अवसर पर सभी ने मौन धारण कर सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की तथा विमान दुर्घटना में दिवंगत हुए उपमुख्यमंत्री श्री अजित पवार, उनके सुरक्षा रक्षक श्री विदीप जाधव, पायलट कैप्टन सुमित कपूर, कैप्टन शंभवी पाठक तथा फ्लाइट अटेंडेंट श्री पिंकी माली की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

जिला परिषद और पंचायत समितियों के वोटिंग की तारीख बदली

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के कारण राज्य में तीन दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है. इसी वजह से 12 जिला परिषदों और उनके अंतर्गत आने वाली 125 पंचायत समितियों के सार्वत्रिक चुनाव के शेष चरणों में बदलाव किया गया है. अब 5 फरवरी 2026 के बजाय 7 फरवरी 2026 को मतदान होगा, तथा 7 फरवरी 2026 के बजाय 9 फरवरी 2026 को मतगणना की जाएगी।

13 जनवरी को घोषित हुए थे चुनाव के कार्यक्रम

राज्य निर्वाचन आयोग ने इन जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए 13 जनवरी 2026 को चुनाव कार्यक्रम घोषित किया था. इसके अनुसार नामांकन दाखिल करना, नामांकन वापस लेना, चुनाव चिन्ह आवंटन तथा अंतिम उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित करने जैसे चरण पूरे हो चुके हैं. अब मतदान, मतगणना और निर्वाचित सदस्यों के नाम राजपत्र में प्रकाशित करने के चरण शेष हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इन चुनावों के लिए 31 जनवरी 2026 के बाद केवल दो सप्ताह की अवधि बढ़ाई है. लेकिन उपमुख्यमंत्री अजित पवार का 28 जनवरी 2026 को आकस्मिक निधन होने के कारण राज्य सरकार ने 28 जनवरी से 30 जनवरी 2026 तक शोक घोषित किया है. इस अवधि को ध्यान में रखते हुए चुनाव कार्यक्रम के शेष चरणों में बदलाव किया गया है।

7 फरवरी को सुबह 7.30 बजे से वोटिंग

इसके अनुसार संबंधित जिलाधिकारी संशोधित चुनाव कार्यक्रम की सूचना 31 जनवरी 2026 को प्रकाशित करेंगे. अब 7 फरवरी 2026 को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक मतदान होगा. इसलिए चुनाव प्रचार की समाप्ति 5 फरवरी 2026 को रात 10 बजे होगी. संबंधित स्थानों पर 9 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे मतगणना शुरू होगी. परिणाम घोषित होने के बाद संबंधित स्थानों पर आदर्श आचार संहिता समाप्त हो जाएगी. निर्वाचित सदस्यों के नाम शासन राजपत्र में 11 फरवरी 2026 तक प्रकाशित किए जाएंगे।

पंचतत्व में विलीन हुए अजित पवार

गुरुवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ डिप्टी सीएम अजित पवार को अंतिम विवाई दी गई. दोनों बेटे पार्थ और जय पवार ने मुखाग्नि दी. उनके निधन से बारामती में भारी शोक की लहर है. अजित पवार 66 साल के थे. बुधवार को उनका विमान मुंबई से बारामती जा रहा था और लैंडिंग के दौरान क्रैश कर गया. इसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई. विमान हादसे की जांच शुरू है।

महाराष्ट्र ने प्रशासन पर गहरी पकड़ रखने वाला एक निडर, कार्यकुशल और सशक्त नेता खो दिया– राज्यमंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर

मुंबई। राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अजितदादा पवार के आकस्मिक और दुखद निधन की खबर अत्यंत हृदयविदारक है। उनके निधन से महाराष्ट्र ने प्रशासन पर गहरी पकड़ रखने वाला एक निडर, कार्यकुशल और सशक्त नेता खो दिया है, ऐसा ऊर्जा, महिला एवं बाल विकास, सार्वजनिक बांधकाम तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की राज्यमंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर ने कहा।

राज्यमंत्री साकोरे-बोर्डीकर ने अपने शोक संदेश में कहा कि अजितदादा पवार ने सार्वजनिक जीवन में हमेशा स्पष्ट और ठोस भूमिका निभाई। वित्त विभाग के माध्यम से उन्होंने राज्य की प्रगति के लिए जो निर्णय लिए, वे आज भी मार्गदर्शक बने हुए हैं। प्रशासनिक सूक्ष्मताओं की समझ, आंकड़ों पर उनकी मजबूत पकड़ और निर्णायक नेतृत्व के कारण वे एक विशिष्ट व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद उन्होंने हमेशा विकास के मुद्दों पर व्यापक दृष्टिकोण बनाए रखा। अजितदादा राजनीति से ऊपर उठकर व्यक्तिगत संबंध निभाने वाले, सहयोगियों से संवाद बनाए रखने वाले और कार्य में ईमानदारी रखने वाले नेता के रूप में भी पहचाने जाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनके निधन से राज्य की राजनीति और प्रशासन में जो शून्य उत्पन्न हुआ है, उसकी भरपाई असंभव है।

इस कठिन समय में हम पवार परिवार के दुःख में सहभागी हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति दे। महाराष्ट्र की ओर से अजितदादा पवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह शोक संदेश राज्यमंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर ने दिया।

दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के शोक में डूबा राज्य, राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित अनेक गणमान्य उपस्थित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे। (जिमाका समाचार सेवा) : दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार को शोकाकुल वातावरण में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। बारामती स्थित विद्या प्रतिष्ठान परिसर में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पुष्पचक्र अर्पित कर अजित पवार को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर, केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले, प्रताप जाधव, रक्षा खडसे, मुरलीधर मोहोळ, विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोऱ्हे, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबळ, उच्च एवं तांत्रिक शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल, वैद्यकीय शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ, आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री नारा लोकेश, सांसद नीरज चंद्रशेखर, वन मंत्री गणेश नाइक, सहकार मंत्री बाबासाहेब पाटिल, आपदा एवं पुनर्वसन मंत्री मकरंद पाटिल, कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे, पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, मृदा एवं जल संरक्षण मंत्री संजय राठोड, महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिती तटकरे, पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई, ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे, सार्वजनिक बांधकाम मंत्री शिवेंद्रसिंह भोसले, आदिवासी विकास मंत्री प्रा. डॉ. अशोक वुईके, खाद्य एवं औषध प्रशासन मंत्री नरहरी झिरवाल, नगर विकास राज्यमंत्री माधुरी मिसाल, स्वास्थ्य राज्यमंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर तथा श्रम मंत्री आकाश फुंडकर उपस्थित थे।

प्रशासन की ओर से राज्य के मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सांसद, विधायक, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, राजनीतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र के मान्यवर तथा राज्यभर से आए बड़ी संख्या में आम नागरिक अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने उपस्थित रहे।

अंतिम संस्कार से पूर्व विद्या प्रतिष्ठान परिसर में सुबह से ही दिवंगत अजित पवार के अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा था। आम नागरिकों, किसानों, युवाओं, महिलाओं तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने खड़े होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अजित पवार के दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद, जानिए क्या थे क्रू के अंतिम शब्द

मुंबई। बारामती में हुए चार्टर विमान हादसे की जांच जारी है। इस बीच दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जानकारी दी है कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और उड़ान डेटा रिकॉर्डर दोनों सुरक्षित रूप से प्राप्त कर लिए गए हैं।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार, 28 जनवरी को हुए विमान हादसे में निधन हो गया था। इस दर्दनाक घटना के एक दिन बाद दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स मिल गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, जिस स्थान पर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, वहां नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और फोरेंसिक विभाग के अधिकारी जांच में जुटे हुए हैं। टीमों ने पूरे घटनास्थल की गहन जांच की है।

चार्टर्ड लर्नजेट पैंतालीस विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद

इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि यदि दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स और उड़ान डेटा मिल जाता है, तो हादसे की वजह और उससे पहले घटी घटनाओं के सही क्रम का पता लगाया जा सकेगा। अब दिल्ली स्थित वीएसआर एविएशन कंपनी के चार्टर्ड विमान लर्नजेट पैंतालीस का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय का बयान

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा,

'बारामती के पास हुए इस दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे के बाद सभी आवश्यक बचाव एवं जांच व्यवस्थाएं तुरंत सक्रिय कर दी गई थीं। पारदर्शी और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो, दिल्ली से तीन अधिकारियों की एक टीम तथा नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय से तीन अधिकारियों की एक अन्य टीम 28 जनवरी को घटनास्थल पर पहुंची। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो के महानिदेशक भी उसी दिन घटनास्थल पर पहुंचे। जांच तेज़ी से आगे बढ़ रही है और दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है।

जांच निर्धारित समय सीमा के भीतर, मानक संचालन प्रक्रिया और तय दिशानिर्देशों के अनुसार पूरी की जाएगी। यह जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो नियम, 2025 के नियम पांच और ग्यारह के अंतर्गत शुरू की गई है।'

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के अधिकारी और फोरेंसिक टीमें गुरुवार को बारामती में दुर्घटनास्थल पर पहुंचीं। वहीं पुणे ग्रामीण पुलिस ने इस हादसे के संबंध में बारामती तालुका पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

दुर्घटना से पहले क्रू के अंतिम शब्द क्या थे?

इस हादसे को लेकर कई तरह की जानकारियां सामने आ रही हैं, हालांकि वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। इस बीच मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दुर्घटना से ठीक पहले क्रू के अंतिम शब्द थे–

ओह शिटष्ठ ओह शिट।'

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में दर्ज अंतिम बातचीत में यही शब्द सुने गए हैं। इसके अलावा यह भी जानकारी सामने आई है कि विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले मुख्य पायलट सुमित कपूर द्वारा कोई आपातकालीन संदेश नहीं दिया गया था।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों पर सर्वोच्च न्यायालय की रोक के बाद प्रियंका चतुर्वेदी का बयान

'मुझे गालियां दी गईं, मेरे उपनाम को लेकर अपमान किया गया'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाए जाने के बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जो बातें प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध हैं, उनके खिलाफ वह लगातार आवाज उठाती रहेंगी। साथ ही उन्होंने सरकार पर जनता के विरोध की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों पर सर्वोच्च न्यायालय की रोक के बाद शिवसेना (उद्धव गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने हस्तक्षेप करते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उन दिशानिर्देशों पर रोक लगाई है जो अस्पष्ट थे, मनमाने थे और शैक्षणिक परिसरों में अधिक भेदभाव पैदा करने का प्रयास कर रहे थे।

'मुझे ट्रोल किया गया, गालियां दी गईं' – प्रियंका चतुर्वेदी

प्रियंका चतुर्वेदी ने आरोप लगाते हुए सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर लिखा, 'मुझे ट्रोल किया गया, गालियां दी गईं और मेरे उपनाम को लेकर अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। यह सब सामने आने के बावजूद, जो बातें प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध हैं, उनके खिलाफ मैं अपनी आवाज उठाती रहूंगी।'

'सरकार को जनता के विरोध की कोई परवाह नहीं'

उन्होंने आगे कहा, 'अब यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि भारत सरकार ने हस्तक्षेप करने और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देशों को वापस लेने की अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह किनारा कर लिया है। यह दिन के उजाले की तरह साफ है कि उन्हें जनता के विरोध का कोई सम्मान या परवाह नहीं है। और जो लोग उस समय चुप रहे जब आवाज उठाना उनकी जिम्मेदारी थी, उसका निर्णय समय करेगा।'

केंद्र सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को सर्वोच्च न्यायालय का नोटिस

गौरतलब है कि गुरुवार, 29 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने फिलहाल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों पर रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी आदेश दिया है कि तब तक वर्ष 2012 के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम ही लागू रहेंगे।

इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने की। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दलील दी कि उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों के खंड तीन-सी को चुनौती दी है। उनका कहना था कि नियमों में भेदभाव की जो परिभाषा दी गई है, वह संविधान के अनुरूप नहीं है।

नासिक में 16 साल के नाबालिग ने स्कूटर सवार युवकों को BMW से कुचला, लेना चाहता था बदला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के नासिक शहर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां तीन लड़कों के बीच हुए पुराने झगड़े का बदला लेने के लिए एक 16 साल के लड़के ने स्कूटर सवार दो नाबालिगों को कार से टक्कर मार दी. यह घटना 24 जनवरी को नासिक के गंगापुर रोड पर हुई. गनीमत रही कि इस हादसे में दोनों लड़कों की जान बच गई, हालांकि उन्हें गंभीर चोटें आई हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी लड़का एक सरकारी अधिकारी का बेटा बताया जा रहा है. उसने पीछे से तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार से स्कूटर को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर लगते ही स्कूटर सवार दोनों लड़के सड़क पर गिर गए और घायल हो गए. हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों की मदद की और उन्हें अस्पताल पहुंचाया. पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज से हुई पहचान

घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी कार और लड़के की पहचान कर ली. फुटेज में साफ दिखाई दिया कि आरोपी कार लेकर पीछे से आया और जानबूझकर स्कूटर को टक्कर मारी।

पुलिस ने बाद में आरोपी को हिरासत में लेकर अदालत में पेश किया, जहां उसे रिमांड होम भेज दिया गया. चूंकि आरोपी नाबालिग है, इसलिए उसके खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं में मामला दर्ज

घायल दोनों लड़के आपस में दोस्त हैं और वे भी नाबालिग हैं. उन्होंने पुलिस को बताया कि आरोपी ने जानबूझकर उनका पीछा किया और उन्हें मारने की कोशिश की. जांच में यह भी सामने आया कि इन लड़कों का पहले आरोपी से झगड़ा हो चुका था।

25 जनवरी को गंगापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई. आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें हत्या का प्रयास, लापरवाही से वाहन चलाना और मोटर वाहन अधिनियम की धाराएं शामिल हैं. पुलिस का कहना है कि यह घटना पूरी तरह से पूर्व नियोजित प्रतीत होती है. मामले की गहन जांच की जा रही है और अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

सम्पादकीय

बारामती विमान हादसा - अजित पवार की मौत ने फिर उठाए सवाल, क्या सबक अब भी नहीं?

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित पांच लोगों की एक विमान हादसे में मृत्यु दिल दहला देने वाली घटना है। इस त्रासदी ने न केवल देश के एक कुशल नेता को छीन लिया, बल्कि उन दर्दनाक हादसों की कड़वी यादें भी ताजा कर दीं, जिनमें पहले भी देश ने कई राजनीतिक दिग्गजों और प्रमुख हस्तियों को असमय खोया है। पुणे जिले के बारामती में हुए इस हादसे की अब कई कोणों से जांच की जा रही है, मगर सवाल है कि इससे पहले हुई ऐसी दुर्घटनाओं से क्या सरकारी तंत्र ने कोई सबक नहीं लिया?

आधिकारिक तौर पर कहा जा रहा है कि जब यह हादसा हुआ, उस वक्त हवाई अड्डे पर दृश्यता कम थी। अगर स्थिति वास्तव में जोखिमपूर्ण थी, तो विमान को उतरने की अनुमति क्यों दी गई? दूसरा, यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि आधुनिक तकनीक के इस दौर में क्या ऐसी आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए हवाई अड्डों पर विशेष व्यवस्था नहीं की जा सकती है?

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान बुधवार सुबह पुणे जिला के बारामती में हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नीचे आने के बाद उसमें धमाके के साथ आग लग गई। इस हादसे में अजित पवार सहित विमान में सवार सभी पांच लोगों की जान चली गई।

इससे पहले वर्ष 1980 में कांग्रेस नेता संजय गांधी, वर्ष 2001 में माधवराव सिंधिया, वर्ष 2011 अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दोरजी खांडू, वर्ष 2021 में तत्कालीन सीडीएस जनरल बिपिन रावत और वर्ष 2025 में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जैसे दिग्गजों को भी देश ने विमान दुर्घटनाओं में खोया है।

कहा जा रहा है कि अजित पवार के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले हवाई यातायात नियंत्रण ने पायलट से पूछा कि क्या रनवे दिखाई दे रहा है, तो जवाब 'नहीं' था। इसके बाद विमान ने आसमान में ही एक चक्कर लगाया। इससे स्पष्ट है कि हवाई अड्डे पर परिस्थितियां विमान को उतारने के अनुकूल नहीं थीं। यह दावा भी किया जा रहा है कि दूसरी बार पूछे जाने पर पायलट ने सकारात्मक जवाब दिया। मगर सवाल है कि क्या किसी तरह के जोखिम की आशंका के बीच विमान को उतारने की अनुमति दी जा सकती है? अजित पवार महाराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना और भाजपा के नेतृत्व वाली कई सरकारों में उपमुख्यमंत्री रहे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार की छत्रछाया से बाहर निकल कर उन्होंने जुलाई 2023 में पार्टी के नाम और चिह्न के साथ-साथ दल के ज्यादातर विधायकों को अपने पाले में कर लिया था। इसके बाद वे राजग नीत महायुति में शामिल हो गए थे।

उनके नेतृत्व वाली राकांपा ने हाल में पुणे और पिंपरी चिंचवड में हुए निकाय चुनाव में शरद पवार की अगुआई वाली पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। इसके बाद सियासी गलियारों में अजित पवार और शरद पवार के बीच नजदीकियां बढ़ने की अटकलें भी जोर पकड़ रही थीं। ऐसे में विपक्षी दल इस हादसे की सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग कर रहे हैं। बहरहाल, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस विमान दुर्घटना की निष्पक्ष और गहन जांच हो, ताकि हादसे के असली कारण सामने आ सकें। सरकारी तंत्र को भी इस तरह के हादसों से सबक लेकर व्यवस्था में जरूरी सुधार करने चाहिए, ताकि भविष्य में और कोई विमान दुर्घटना न हो।

चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, लेकिन बढ़ती दरारें भारत की चमक के पीछे छुपा असमानता का सच

आज जब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, तो इन चमकदार आंकड़ों के समांतर खड़ा आर्थिक असमानता का सच चिंताजनक है। यह एक गहरा विरोधाभास है कि जहां एक तरफ वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ रही है, तो दूसरी तरफ देश के भीतर अमीर और गरीब के बीच की खाई ऐतिहासिक रूप से चौड़ी हो गई है। विकास का मूल्यांकन केवल जीडीपी की वृद्धि दर से करना बेमानी है, क्योंकि यह आंकड़ा संपत्ति के वितरण की नहीं, बल्कि औसत आय की तस्वीर पेश करता है। जमीनी सच्चाई यह है कि देश की बढ़ती संपदा का एक बड़ा हिस्सा मुट्ठी भर अति-धनाढ्यों की तिजोरियों में जा रहा है, जबकि श्रमशक्ति का एक विशाल वर्ग आज भी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं के लिए संघर्षरत है। यह असमानता केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि उस समावेशी विकास के दावों पर एक गंभीर सवाल है, जो हमारे लोकतंत्र का आधार है। इस असमानता का सबसे भयानक रूप हमें कोविड महामारी के बाद के समय में देखने को मिला। वह एक ऐसा दौर था जब पूरी दुनिया रुक गई थी, लेकिन संपत्ति का खेल नहीं रुका। एक तरफ लाखों मध्य और निम्न-वर्गीय परिवारों की जमा-पूंजी इलाज, प्राणवायु और बेरोजगारी की भेंट चढ़ गई। करोड़ों लोग, जो अपनी मेहनत से गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके थे, वापस उसके नीचे धकेल दिए गए। छोटे व्यापार बंद हो गए, नौकरियां चली गईं और प्रवासी मजदूरों की दर्दनाक तस्वीरें हमारे सामूहिक विवेक को झकझोर गईं।

दूसरी तरफ, ठीक इसी कालखंड में देश के शीर्ष उद्योगपतियों की संपत्ति में ऐतिहासिक और अकल्पनीय वृद्धि दर्ज की गई। जब आम आदमी कर्ज की मासिक किस्तें चुकाने के लिए संघर्ष कर रहा था, तब शेयर बाजार कुलांचे भर रहा था। अर्थशास्त्रियों ने इसे 'विषम सुधार' का नाम दिया। यह एक ऐसी स्थिति थी, जहां अर्थव्यवस्था दो विपरीत दिशाओं में बंट गई। एक तरफ संगठित और अमीर वर्ग ऊपर की ओर बढ़ रहा था, दूसरी तरफ असंगठित और गरीब वर्ग रसातल में जा रहा था।

जब एक आम आदमी महंगाई की मार से त्रस्त होकर अपनी थाली से सब्जियां और दाल कम करने पर मजबूर होता है और उसी वक्त देश में महंगी गाड़ियों तथा विलासिता की वस्तुओं की बिक्री के नए कीर्तिमान बनते हैं, तो यह समझ लेना चाहिए कि समाज का संतुलन बिगड़ चुका है। इस असंतुलन की जड़ें हमारी नीतियों और कर-प्रणाली में भी गहरी धंसी हुई हैं। पिछले कुछ दशकों में उदारीकरण के नाम पर हमने जिस पूंजीवादी ढांचे को अपनाया, उसका मूल मंत्र था- 'रिसाव का सिद्धांत'। यह माना गया था कि अगर हम ऊपर के लोगों और बड़े निगमित ढांचों को समृद्ध करेंगे, उन्हें करों में छूट देंगे, तो वे निवेश करेंगे और उसका लाभ रिस-रिस कर रोजगार तथा वेतन के रूप में नीचे तक पहुंचेगा।

इसके विपरीत संपत्ति का जमावड़ा ऊपर ही रुक गया और नीचे केवल बूंदें ही पहुंचीं। मुनाफे का उपयोग पुनर्निवेश और रोजगार सृजन के बजाय वित्तीय बाजारों में सट्टेबाजी और निजी संपत्ति बढ़ाने में किया गया।

हमारी कर प्रणाली, विशेष रूप से 'वस्तु एवं सेवा कर' यानी अप्रत्यक्ष करों का ढांचा, इस आग में घी डालने का काम करता है। अप्रत्यक्ष कर अपनी प्रकृति में प्रतिगामी होते हैं, क्योंकि वे गरीब और अमीर पर लगभग एक समान बोझ डालते हैं। आंकड़े बताते हैं कि कर संग्रह का बड़ा हिस्सा निचले और मध्य वर्ग की जेब से आता है। इसके साथ ही बड़े औद्योगिक घरानों को दी जाने वाली लाखों-करोड़ों रुपए की कर छूट और कर्ज माफी को अक्सर अर्थव्यवस्था के लिए 'प्रोत्साहन' का नाम दिया जाता है।

दूसरी ओर, जब किसानों की कर्ज माफी, वृद्धावस्था पेंशन या गरीबों के लिए राशन की बात आती है, तो उसे 'मुफ्त की रेवड़ी' कहकर अपमानित किया जाता है। यह दोहरा मापदंड देश की अर्थव्यवस्था और समाज में असंतुलन का कारण बनता है। असमानता का यह जहर सिर्फ बैंक खातों और आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह धीरे-धीरे समाज की नसों में उतर कर 'अवसरों की समानता' को भी खत्म कर देता है।

इसका सबसे ज्यादा और दूरगामी असर शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। एक लोकतांत्रिक देश में अच्छी शिक्षा और बेहतर इलाज हर नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए, न कि केवल उन लोगों का विशेषाधिकार जो इसे खरीद सकें। लेकिन आज जमीनी हकीकत यह है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं आम लोगों के लिए एक महंगा सौदा बन चुकी हैं। जब एक गरीब परिवार का प्रतिभाशाली बच्चा केवल संसाधनों, अतिरिक्त शिक्षण और अच्छी किताबों के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित रह जाता है, तो देश केवल एक व्यक्ति का भविष्य नहीं खोता, बल्कि अपनी एक संभावना को खो देता है।

इतिहास गवाह है कि जब धन का अत्यधिक संकेंद्रण होता है, तो सत्ता और राजनीति भी उसी धन के प्रभाव में आ जाती है। ऐसे में नीतियां आम जनता, किसान और मजदूर के हितों को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि बड़े औद्योगिक घरानों के मुनाफे को सुरक्षित करने के लिए बनाई जाने लगती हैं। आज चुनाव, जो लोकतंत्र का उत्सव माने जाते हैं, इतने महंगे हो गए हैं कि एक सामान्य नागरिक के लिए इसमें भाग लेना तो दूर, इसके बारे में सोचना भी मुश्किल है। राजनीतिक दलों का बड़े चंदे पर निर्भर होने से यह संभावना ज्यादा होती है कि चुनाव जीतने के बाद उनकी वफादारी जनता के प्रति कम और चंदा देने वालों के प्रति अधिक होगी। यह 'पूंजीवाद' का वह दौर है, जहां बाजार और सरकार के बीच की रेखा धुंधली नजर आती है।

हमें ग्रामीण भारत की स्थिति पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, जहां आज भी देश की बहुसंख्यक आबादी निवास करती है। शहरों में चमकती गगनचुंबी इमारतें, द्रुतगामी रेल, चौड़े राजमार्ग और बड़े बाजार एक अलग कहानी कहते हैं, जबकि गांवों में पसरा सन्नाटा और मायूसी दूसरी कहानी बयां करती है। खेती, जो कभी सम्मान का पेशा थी, आज घाटे का सौदा बनकर रह गई है। खाद, बीज और ईंधन की लागत बढ़ रही है, लेकिन फसल का उचित 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' नहीं मिल पा रहा है। गांवों से शहरों की ओर हो रहा लोगों का अनियंत्रित पलायन इसी आर्थिक मजबूरी का परिणाम है। यह पलायन शहरों के बुनियादी ढांचे पर भी दबाव डाल रहा है और एक नए तरह के शहरी वर्ग-संघर्ष को जन्म दे रहा है।

तकनीक और वैज्ञानिक क्रांति ने भी अनजाने में ही सही, असमानता की एक नई परत जोड़ दी है। इसे 'तकनीकी खाई' या 'डिजिटल विभाजन' कहा जा रहा है। आज की दुनिया में सूचना ही शक्ति है, और यह शक्ति उनके पास है, जिनके पास आधुनिक संचार यंत्र, संगणक और तीव्र गति वाली इंटरनेट सुविधाएं हैं। ऐसे में सबसे पहले हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। सकल घरेलू उत्पाद से आगे बढ़कर हमें 'मानव विकास', 'खुशहाली' और 'असमानता के स्तर' को प्रगति का मुख्य पैमाना बनाना होगा। स्वास्थ्य और शिक्षा पर सरकारी खर्च को एक बड़े हिस्से तक बढ़ाना होगा। साथ ही कर प्रणाली में भी सुधार करना होगा। रोजगार के मोर्चे पर हमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन देना होगा। उचित न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करना और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। हमें एक ऐसे समतामूलक समाज का निर्माण करना होगा, जहां हर किसी को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार हो?

भेंट की परंपरा और उसका अनकहा अर्थ उपहार सिर्फ वस्तु नहीं, रिश्तों की भाषा होते हैं

उपहार या भेंट अपने आप में विशेष होता है। हम किसी मित्र या फिर बहुत ही विशेष शख्स के लिए बड़े चाव और सुकून से कुछ खास सामान खरीदते हैं और यह भी ध्यान रखते हैं कि यह पाने वाले की पसंद का हो। इसे खरीदते समय हमारे मस्तिष्क में यह जरूर चल रहा होता है कि अमुक सामान जो खास व्यक्ति के लिए खरीदा जा रहा है, वह उसकी पसंद का हो, वह उसका उपयोग करेगा। कई बार यह पसंद हमें पहले से पता होती है, तो कई बार हम खोज-बीन कर इस बात का पता लगाकर सामान खरीदते हैं। आमतौर पर कहा जाता है कि भेंट की राशि की समीक्षा नहीं की जाती। मगर गाहे-बगाहे भेंट के सामान और उनकी उपयोगिता की समालोचना हम कर ही लेते हैं। सबसे बड़े उदाहरण के तौर पर शादियों, जन्मदिन या अन्य ऐसे आयोजनों पर प्राप्त उपहार की बात करें, तो आयोजन की समाप्ति के बाद प्रत्येक उपहार को खोलकर उसे देखने की उत्सुकता अलग ही होती है। भेंट एक तरह से ऐसे आयोजनों का एक अनिवार्य घटक है, जिसके बगैर आयोजन की पूर्णता अधूरी समझी जाती है।

भेंट में औपचारिकताओं और भावनाओं के अलग-अलग स्तरों का समावेश होता है। अक्सर रिश्तेदारों या मित्रों के यहां मिलने जाने से पहले कुछ सामान हम साथ ले जाने के लिए खरीद लेते हैं और यह भी जेहन में रखते हैं कि अगर उनके घर में बच्चे हों तो भेंट का स्वरूप हम क्या रखें। पुराने दिनों में गांव में यह परिपाटी हुआ करती थी कि किसी रिश्तेदार के यहां कोई महिला या बच्चे या फिर अन्य सदस्य साथ आते थे, तो उनकी विदाई से पहले उनके लिए खास कपड़े खरीदे जाते थे। बगैर नए कपड़ों के उन्हें विदा नहीं किया जाता था। यह एक तरह से सम्मान से भी जुड़ी बात होती थी। हमारे समाज में भेंट का एक स्वरूप और रिवाज यह भी है कि मान लीजिए कि हम किसी बर्तन में अपने जानने वाले को कुछ पकवान देते हैं और यह मानकर कि वह बर्तन हमें पकवान खाली कर वापस कर दिया जाएगा। मगर ऐसा अमूमन होता नहीं है कि वह बर्तन हमें खाली अवस्था में मिले। बदले में हमें यह बर्तन कुछ सामान से भरा हुआ ही मिलता है। अब यह रिवाज हमें किसी किताब में पढ़ाई नहीं गई है, न ही स्कूलों में भेंट संबंधी किसी अध्याय को शामिल किया गया है, लेकिन हमारे सामाजिक ताने-बाने में यह चीज गहराई से रम गई है कि हम इस परंपरा का पालन जरूर करते हैं।

वास्तव में भेंट किसी अवसर विशेष में बंधा नहीं होता है, न ही इसकी कोई सीमा तय है। अब किसी के यहां किसी दूर प्रदेश से कोई अपना मिलने आता है, तो हम शहर विशेष की कोई खास और प्रसिद्ध चीज उन्हें भेंट करते हैं और वापसी की यात्रा के समय यह भी ध्यान में रखते हैं कि यात्रा में उन्हें किसी जरूरी सामान की कमी न हो। उनकी इस परेशानी को दूर करने के लिए हम हर संभव छोटी-मोटी चीजों से उनका थैला भर देते हैं। ऐसे में मेहमान को सौंपे गए ये सामान भी भेंट की श्रेणी में ही माने जाते हैं। साथ जाने वाले ये भेंट हमारे एहसास को भी साथ-साथ लिए चलते हैं।

इसके अलावा, हम जब कभी नई जगह पर सैर-सपाटे के लिए निकलते हैं, तो वहां के प्रसिद्ध खान-पान, पहनावे, उपयोग की चीजें भी अपने मुताबिक खरीदते हैं, पर हमारी यह खरीद स्वयं तक सीमित नहीं होती। हम अपने परिवारजनों, मित्रों आदि के लिए भी खरीदारी करते हैं। ऐसे में कई बार हमारा सामान रखने का थैला भी हमारे ढोने की क्षमता से बाहर हो जाता है, पर हम इस वजन की परवाह ही कब करते हैं। भेंट किए जाने वाले ऐसे उपहारों में हमारी भावनाएं भी जुड़ी होती हैं, जो हमारे सामान के वजन को कम कर देती हैं या इसे साथ ले जाने की हमारी क्षमता को बढ़ा देती हैं। एक बात और कहा जा सकता है कि इन वस्तुओं को सही सलामत ले जाने की जितनी फिक्र हमें होती है, यह साथ ले जाने वाला व्यक्ति ही समझ सकता है कोई और नहीं। खुद से खरीदे गए उपहार की बात ही अलग होती है। इसमें हम धन से अधिक किसी के लिए अपने समय और विवेक को समर्पित करते हैं। उपहार अपेक्षाओं से परे भी होते हैं और अमूमन आश्चर्यजनक सुखद अनुभव भी दे जाते हैं। हम किसी खास व्यक्ति को ही उपहार देना पसंद करते हैं और वह भी उनसे कुछ पाने की इच्छा के बगैर। पर हमारे जीवन में कुछ ऐसे भी अति विशेष क्षण आते हैं, जब हमारे द्वारा दिए गए उपहार के बदले हमें एक अलग रूप में इसी तरह कुछ नवाजा जाता है, तो यह स्वयं में एक पूर्णता के भाव का सृजन करता है, जिसे शब्दों में बयां करना किसी दौर में संभव नहीं होता है। ऐसे क्षण जीवन के विशेष पल के रूप में याद की तरह बस जाते हैं और उम्र भर के लिए घर कर जाते हैं। इस तरह से मानव जीवन में उपहार का सरोकार समय और किसी भी मोल से परे है। बंधनों को मजबूत करते उपहार प्राचीन समाज से लेकर कारपोरेट जगत रूपी समाज में भी उतने ही प्रचलित और आपसी समन्वय को बेहतर करने के माध्यम हैं।

'एक भारत, एक कानून' की नीतिगत कसौटी के सियासी निहितार्थ

विभिन्न तरह के पारस्परिक विरोधाभासों से जूझ रहे भारतीय गणतंत्र के लिए 'एक भारत, एक कानून' की अवधारणा बदलते वक्त की मांग है। इसलिए इसको सरजमीं पर उतरना बेहद जरूरी है। सवाल है कि जब एक मतदाता, एक वोट का विधान सफल हो सकता है तो फिर एक भारत, एक कानून का विधान क्यों नहीं? इस बात में कोई दो राय नहीं कि ऐसी सकारात्मक कोशिशें अंततोगत्वा समतामूलक समाज की दिशा में निर्णायक साबित हो सकते हैं।

लिहाजा यदि भारतीय संविधान के संघीय ढांचे और अन्यान्य विविधताओं को बनाए रखने वाले नानाविध प्रावधानों से 'एक देश, एक कानून' की पावन और समदर्शी सोच टकराती है तो ऐसे किसी भी टकराव को नजरअंदाज कीजिए और एक समान नागरिक संहिता या एकसमान कानूनी व्यवस्था की दिशा में एक यथार्थपरक व्यवहारिक कदम उठाइए। इससे दलित, आदिवासी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, सवर्ण जैसे निरर्थक भेद भी मिटेंगे और राष्ट्र को अप्रत्याशित मजबूती मिलेगी।

यह ठीक है कि इस राह में कई संरचनात्मक बाधाएं हैं, लेकिन राष्ट्र के दूरगामी भविष्य के लिए इन कपोलकल्पित बाधाओं, वैधानिक जटिलताओं से निबटना भी तो सकारात्मक और आशावादी नेतृत्व की पहचान होती है। खासकर मोदी हैं तो मुमकिन है, वाली सोच यहां भी चरितार्थ की जा सकती है। योगी हैं तो यकीन भी किया जा सकता है। शाह हैं तो चिल्लपों भी नहीं मचेगा, ऐसा जनविश्वास है।

जहां तक संघीय ढांचे की चुनौतियों की बात है तो भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में विधायी शक्तियों का त्रिपक्षीय विभाजन (केंद्र, राज्य, समवर्ती) एक देश, एक कानून की राह का एक बड़ा रोड़ा समझा जाता है। उदाहरणतया पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि जैसे विषय राज्य सूची में हैं, जिनमें केंद्र का सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं होगा बिना संशोधन के। क्योंकि संविधान का अनुच्छेद 246 इस विभाजन को मजबूत बनाता है, जो एकसमान कानून लागू करने में राज्यों की सहमति या संविधान संशोधन की मांग करता है।

वहीं, मौलिक अधिकारों का टकराव भी संभाव्य है, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 25-28 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं, जो व्यक्तिगत कानूनों (पर्सनल लॉ) को संरक्षण प्रदान करते हैं। वहीं, यूनिफॉर्म सिविल कोड को अनुच्छेद 44 के नीति-निर्देशक तत्व के रूप में रखा गया है, लेकिन यह बाध्यकारी नहीं है और मौलिक अधिकारों से टकरा सकता है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लागू करने पर जोर दिया है (जैसे शाह बानो मामले में), लेकिन संघीय विविधता और अल्पसंख्यक अधिकारों के नाम पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी इस राह की सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है।

वहीं, व्यावहारिक और न्यायिक अड़चनों की बात भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि एकीकृत न्यायपालिका (अनुच्छेद 214) होने के बावजूद, राज्यों में उच्च न्यायालयों की स्वायत्तता और लंबित मामलों (5 करोड़ से अधिक) की भारी संख्या एकसमान कानून के कार्यान्वयन को जटिल बनाती है। इसके अलावा, संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन की प्रक्रिया में राज्यों की सहमति जरूरी हो सकती है, जो राजनीतिक मतभेदों से अवरुद्ध रहती है।

जहां तक संभावित प्रभाव की बात है तो ये अड़चनें वास्तव में संविधान की विविधता-समर्थक भावना को दर्शाती हैं, जो एकता के साथ बहुलवाद को संतुलित रखती हैं। हालांकि, डिजिटल युग में एकसमान कानून आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन बिना व्यापक सहमति के यह संघीय तनाव भी पैदा कर सकता है। इसलिए केंद्र सरकार और उसकी राज्य सरकारों को इस बाबत आम सहमति तैयार करने की कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि एक भारत, एक कानून में ही न केवल देश, बल्कि दुनिया का भी हित निहित, अंतर्निहित है।

देखा जाए तो समान नागरिक संहिता, भारतीय संविधान की मौलिक व्यवस्था पर ज्यादातर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, खासकर समानता के अधिकार को मजबूत करके, लेकिन धार्मिक स्वतंत्रता जैसे क्षेत्रों में यह टकराव पैदा कर सकता है। हालांकि, धर्म के आधार पर बंटवारे के बाद यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है बल्कि राजनीतिक कमजोरी का प्रतीक है। यह ठीक है कि संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत यह नीति-निर्देशक सिद्धांत राज्य को एकसमान नागरिक कानून बनाने का प्रयास करने को कहता है, जो मौलिक अधिकारों से जुड़ता है।

जहां तक समानता अधिकारों पर प्रभाव की बात है तो यूसीसी संवैधानिक अनुच्छेद 14 (विधि के समक्ष समानता) और 15 (भेदभाव निषेध) को मजबूत बनाएगा, क्योंकि यह धर्म-आधारित व्यक्तिगत कानूनों को हटाकर लैंगिक न्याय सुनिश्चित करेगा। इसी के द्वारा तीन तलाक, असमान उत्तराधिकार जैसे मुद्दों का सम्यक समाधान हो सकता है, जो महिलाओं के अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) को प्रभावित करते हैं। हालांकि, यदि गलत तरीके से लागू हुआ तो यह अल्पसंख्यकों के बीच भेदभाव का आरोप लगा सकता है।

जहां तक धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रभाव की बात है तो अनुच्छेद 25-28 धार्मिक स्वतंत्रता और प्रबंधन का अधिकार देते हैं, जो यूसीसी से टकरा सकता है क्योंकि व्यक्तिगत कानून सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। भले ही सर्वोच्च न्यायालय ने शाह बानो और सारला मुद्गल मामलों में यूसीसी की आवश्यकता बताई, लेकिन इसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन न मानते हुए संतुलित किया। फिर भी जनजातीय रीति-रिवाजों वाली समुदायों पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। जहां तक अन्य मौलिक प्रावधानों पर यूसीसी के प्रभाव की बात है तो यूसीसी संवैधानिक अनुच्छेद 21 को सशक्त बनाएगा, क्योंकि यूसीसी पितृसत्तात्मक प्रथाओं को चुनौती देगा और न्याय प्रक्रिया को सरल करेगा। लेकिन समवर्ती सूची के विषय होने से राज्य स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है, जो संघीय ढांचे से जुड़ी मौलिक भावना को कमजोर करेगी। कुल मिलाकर, यूसीसी मौलिक अधिकारों को आधुनिक संदर्भ दे सकता है यदि सहमति-आधारित हो तो।

यही वजह है कि भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने हाल के वर्षों में यूनिफॉर्म सिविल कोड पर स्पष्ट निर्देश देने से इनकार किया है, बल्कि इसे संसद के क्षेत्राधिकार में माना है। भले ही कोर्ट ने कई ऐतिहासिक फैसलों में यूसीसी के सिद्धांत का समर्थन किया, लेकिन कार्यपालिका को ही इसकी जिम्मेदारी सौंपी। जहां तक कोर्ट के रुख की बात है तो सुप्रीम कोर्ट ने 2023 और 2024 में यूसीसी लागू करने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया, क्योंकि यह विधायी मामला है।

भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मार्च 2023 में छह याचिकाओं को निस्तारित करते हुए कहा कि यूसीसी संसद बनाएगी। इससे पहले आये निम्नलिखित प्रमुख फैसले में भी यूसीसी की चर्चा है। शाह बानो (1985), सरला मुदगल (1995), और जॉन वल्लामट्टम (1997) जैसे मामलों में कोर्ट ने यूसीसी की आवश्यकता पर बल दिया, लेकिन निर्देश नहीं दिए। इसी प्रकार जनवरी 2023 में उत्तराखंड यूसीसी समिति को चुनौती देने वाली याचिकाएं भी खारिज हुईं।

जहां तक वर्तमान स्थिति की बात है तो जनवरी 2026 तक कोई नया निर्देश नहीं आया; क्योंकि कोर्ट यूसीसी को अनुच्छेद 44 के नीति-निर्देशक सिद्धांत के रूप में देखता है, लेकिन धार्मिक स्वतंत्रता के साथ संतुलन पर जोर देता है। यही वजह है कि भाजपा शासित उत्तराखंड सरकार ने 2024 में राज्य-स्तरीय यूसीसी लागू किया। समझा जा रहा है कि धीरे धीरे मोदी-शाह इसे पूरे देश में लागू करेंगे।

हालांकि इससे भी एक कदम आगे बढ़कर सभी जनहितकारी मामलों में यदि एक देश, एक कानून जैसे अग्रगामी प्रावधानों को लागू कर दिया जाता है तो विगत 100 सालों से अनवरत रूप से जारी फूट डालो, शासन करो की नीति का जड़मूल से खात्मा हो जाएगा। यद्यपि मुट्ठी भर चतुर सुजान विदेशी टुकड़े पर विरोध अवश्य करेंगे लेकिन जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटवाकर एक विधान, एक निशान की राष्ट्रीय नीति लागू करवा सकते हैं तो उनके लिए एक देश, एक कानून को मूर्त रूप देना-दिलवाना कोई बड़ी बात नहीं है, बशर्ते कि इस मुद्दे पर भाजपा और आरएसएस की नीति साफ और

डीआईओएस पीएन सिंह के मार्ग दर्शन में कैरियर मेला का आयोजन छात्रों को ज्ञान के साथ विभिन्न कौशलों में करना है पारंगत : बीएसए

समग्र शिक्षा माध्यमिक की ओर से कैरियर गाइडेंस के लिए जनपद स्तरीय कैरियर मार्गदर्शन मेला लगा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। समग्र शिक्षा माध्यमिक की ओर से कैरियर गाइडेंस के तहत जनपद स्तरीय कैरियर मार्गदर्शन मेला राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (निकट स्वरूप रानी), सिविल लाइंस, प्रयागराज में आज आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधीन संचालित समस्त राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के छात्र - छात्राओं, कैरियर गाइडेंस से संबंधित विद्यालय नोडल शिक्षकों, प्रधानाचार्य एवं अभिभावक शामिल हुए। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज पीएन सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कैरियर मार्गदर्शन मेले का शुभारंभ बीएसए अनिल कुमार, एसआरएन के वरिष्ठ सर्जन डा संतोष सिंह, प्रो शशिकांत त्रिपाठी कुलभाष्कर आश्रम पीजी कॉलेज , सह जिला विद्यालय निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया। जीजीआईसी की प्रधानाचार्या नीलम मिश्रा ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। बैज अलंकरण किरन राय, लता कुमारी, स्काउट प्रभारी डॉ आकांक्षा केसरी ने किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। एडीआईओएस जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्वागत अभिभाषण किया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों को ज्ञान के साथ साथ विभिन्न कौशलों में पारंगत बनाना समय की मांग है।इस दृष्टि से उन्हें विभिन्न अध्ययन और करियर क्षेत्रों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित करियर मेला अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा । डॉ. शशिकांत त्रिपाठी प्रोफेसर एवं कृषि विशेषज्ञ, डॉ जय सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, श्रीमती

आयुषी गौतम अधिवक्ता इलाहाबाद उच्च न्यायालय, राहुल कुमार उप निरीक्षक उप्र पुलिस, डॉ सुग्रीव सिंह काउंसलर मॉडल करियर सेंटर तथा अन्य विषय विशेषज्ञों ने अपने - अपने क्षेत्र से संबंधित उच्च अध्ययन एवं करियर विकल्पों की नवीन जानकारियां देकर बच्चों को करियर के प्रति प्रेरित किया। डॉ संतोष सिंह ने मेडिकल के क्षेत्र में प्रवेश से जुड़ी उपयोगी जानकारी दी। पंख पोर्टल प्रभारी डॉ मधु यादव ने कार्यक्रम रूपरेखा प्रस्तुत की। समस्त अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन किया। कैरियर गाइडेंस मेले का मुख्य आकर्षण मनोविज्ञान शाला, उप्र भारत स्काउट एंड गाइड, प्रयागराज, यूनाइटेड ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस, यूपी ग्रामीण आजीविका मिशन, रेडियो अड्डा, एच.एन. सिंह डिग्री कॉलेज, ए के एस यूनिवर्सिटी सतना, मध्य प्रदेश, गणपत यूनिवर्सिटी गुजरात, पारुल यूनिवर्सिटी, लैक्मे सलून , जन शिक्षण संस्थान. स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, एवं इंस्टिट्यूट ऑफ़ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ़ इंडिया के स्टॉल रहे। आभार प्रदर्शन सह जिला विद्यालय निरीक्षक विजय सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सभी राजकीय विद्यालयों के वोकेशनल ट्रेनर्स के द्वारा भी अपने स्टाल लगाए गए।मेले में उपस्थित छात्र-छात्राओं तथा अभिभावकों ने सभी स्टॉल्स का भ्रमण करके कैरियर गाइडेंस के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करते हुए अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया । इस अवसर पीपी सिंह, शशिबाला चौधरी, मंजुलेश विश्वकर्मा , सुनील कुमार, मोहम्मद रफीक, ज्योति सिंह, सरिता वर्मा, प्रतिज्ञा चौहान, बी एस यादव, रवि भूषण, के पी सिंह, के के त्रिपाठी , सुषमा गुप्ता, नीलम चतुर्वेदी सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य तथा लेखा प्रभारी विनय प्रकाश उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में रश्मि सिंह, डॉ रंजना यादव, इफ़्फत जिया , वंदना, अनीता उत्तम, डॉ प्रीति मिश्रा, डा रेखाराम, मंजू श्रीवास्तव , संध्या सैलानी, शुभदर्शिनी सिंह, मनीषा, वंदना पांडे, मृदुला यादव, पुष्पा शुक्ला, ज्योति अग्रवाल, किरन गुप्ता, पल्लवी श्रीवास्तव, रूपाली, क्षमा, कीर्ति पाण्डेय, चारु तथा समस्त स्टाफ का सहयोग रहा। संचालन डॉ प्रभाकर त्रिपाठी ने किया ।

राज्य सभा सांसद अमरपाल मौर्या ने की एसआरएन को एम्स का दर्जा देने की मांग

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र के प्रभारी व राज्य सभा सांसद अमरपाल मौर्या ने गुरुवार को राज्य सभा में प्रयागराज के स्वरूप रानी अस्पताल को एम्स का दर्जा देने की मांग की राज्य सभा में मौर्या ने कहा कि प्रयागराज एक आध्यात्मिक प्रशासनिक और न्याय का केन्द्र है उत्तर प्रदेश का एक ऐसा हब है जो पूर्वांचल बुंदेलखंड और मध्य भारत को आपस में जोड़ता है यहां कौशाम्बी, प्रतापगढ़, फतेहपुर, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर के साथ बुंदेलखंड के चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, और मध्य प्रदेश के सतना, रीवा और अन्य जिलों से लोग इलाज कराने प्रयागराज आते हैं इसलिए प्रयागराज के स्वरूप रानी अस्पताल को एम्स का दर्जा दिया जाए प्रयागराज में एम्स के माध्यम से शोध और विशेषज्ञता के नए द्वार खुलेंगे। जिस प्रकार रायबरेली और गोरखपुर में एम्स ने क्षेत्रीय स्वास्थ असमानता को कम किया है उसी प्रकार प्रयागराज का एम्स संस्थान उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड के बीच स्वास्थ्य निर्वात को भरेगा। इससे न केवल सस्ती व विश्वसनीय चिकित्सा सेवा मिलेगी आपातकालीन स्वास्थ्य प्रबंधन को भी नई शक्ति मिलेगी। प्रयागराज में एम्स की स्थापना कारणों नागरिकों के लिए एक न्याय पूर्ण कदम होगा। जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने यह जानकारी दी।

कुंभ मेला 2025 में उत्कृष्ट सेवा पर उपेन्द्र नाथ ओझा सम्मानित

मुख्यमंत्री ने प्रशस्ति पत्र व कुंभ सेवा मेडल से किया अलंकृत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कुंभ मेला 2025 के दौरान उत्कृष्ट, अनुकरणीय एवं सराहनीय सेवाएं प्रदान करने वाले कर्मियों को सम्मानित किए जाने की कड़ी में गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कुंभ मेला 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उपेन्द्र नाथ ओझा को प्रशस्ति पत्र एवं कुंभ सेवा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कुंभ सेवा मेडल उपेन्द्र नाथ ओझा को पीयूष कान्त, डिप्टी कमांडेंट जनरल होमगार्ड्स, पूर्वी जोन तथा जिला कमांडेंट रंजीत सिंह द्वारा पहनाया गया। सम्मान प्राप्त करते समय उपस्थित अधिकारियों व कर्मियों ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया।उत्कृष्ट सेवा का मिला प्रतिफल कुंभ मेला 2025 जैसे विशाल, संवेदनशील एवं चुनौतीपूर्ण आयोजन में उपेन्द्र नाथ ओझा द्वारा निभाई गई जिम्मेदारियों, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा भाव की अधिकारियों द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की गई। उनके कार्यों को मेले की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया।अधिकारियों ने कहा कि कुंभ जैसे महाआयोजन की सफलता कर्मठ और समर्पित कर्मचारियों के कारण ही संभव हो पाती है। ऐसे कर्मचारियों को सम्मानित करना अन्य कर्मियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

समारोह में होमगार्ड विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सम्मान प्राप्त करने पर उपेन्द्र नाथ ओझा को सहयोगियों ने बधाई दी इस मौके पर निरीक्षक रंजीत इंद्र नारायण पांडे नागेंद्र पांडे भानुप्रकाश शुक्ला रमेश सिंह आदि थे।

संतों ने यूजीसी के नये कानून पर रोक का किया स्वागत कहा कि सरकार समाज को बांटने से बाज आये

मठ मछली बंदर मठ मे खेली गयी फूल, अबीर-गुलाल की होली

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती महराज, अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्मश्रम महराज, पीठाधीश्वर स्वामी रामास्वामी शास्त्री महराज, श्रृंगवेरपुर धाम के जगदगुरू नारायणाचार्य स्वामी शाडिल्य महराज, जगदगुरू स्वामी रामसुभगदास बिनैका बाबा, ओम नमः शिवाय के पूज्य गुरूदेव और जगदगुरू स्वामी अनंताचार्य महराज (अमृतदास) दमोह ने यूजीसी के नये कानून पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाये जाने का स्वागत किया है। संतों ने कहा कि सरकार का काम लोगो और समाज को एक करना है ना कि विघटन करना है, यह समाज और देश को बांटने वाला कानून था। इसको लागू करके सरकार समाज और देश के लोगों को क्या और कैसा संदेश देना चाहती थी। संतो ने कहा कि सरकार को इस तरह का कदम उठाने से पहले सोचना चाहिए कि कोई भी ऐसा कदम ना उठाए जिससे कि समाज बंटे और लोगों के बीच में सामाजिक विघटन बढे।

श्रृंगवेरपुर धाम के जगदगुरू स्वामी शाडिल्य महराज ने यूजीसी के नये कानून पर रोक का स्वागत किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस नये कानून से जहां सामान्य वर्ग में व्यापक असंतोष था वही इस पर रोक लगाये जाने से राहत की

सांस लिया है। स्वामी शाडिल्य महराज ने कहा कि सरकार को ऐसा कोई भी कानून नही बनाना चाहिए जिससे समाज बंटे और लोगों में आक्रोश बढे। माघ मेला के सेक्टर-6 गंगोली शिवाला मार्ग पर लगे मठ मछली बंदर मठ में आज यूजीसी के नये कानून पर रोक को लेकर फूलों की होली खेली गयी और सभी ने सुप्रीम कोर्ट को रोक लगाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। संतों ने एक दूसरे के ऊपर अबीर, गुलाल और गुलाब के फूल डालकर होली खेली गयी। सभी संतों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूजीसी के नये कानून पर रोक लगाने का स्वागत करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार समाज को बांटने वाला कोई कदम ना उठाये बल्कि सर्व समाज को लेकर साथ चले।फूलों की होली खेलने वालों में अखिल भारतीय दण्डी प्रबंधन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी विमलदेव आश्रम, अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्मश्रम महराज, महामंत्री पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज, स्वामी गोविन्द आश्रम, स्वामी विमल आश्रम, स्वामी प्रणव आश्रम, स्वामी सुदर्शन आश्रम, स्वामी ब्रिजेन्द आश्रम, स्वामी महेन्द्र, स्वामी योगेंद्र सहित बडी संख्या में संत, सन्यासी और कल्पवासी शामिल हुए।

ब्राह्मण समाज द्वारा आशीर्वाद भवन में शतरंज प्रतियोगिता हुआ जिसमें अंडर 17 में सिद्धि अवस्थी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया

मंत्र भारत संवाददाता

रायपुर। 26 जनवरी के पावन अवसर पर बैरन बाजार स्थित आशीर्वाद भवन में शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें अंडर 17 में सिद्धि अवस्थी, (पिता राजीव अवस्थी) ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया पुरस्कार वितरण दिनांक 26, 01, 2026 को ही घोषित कर दिया गया था परंतु पुरस्कार वितरण के समय सिद्धि अवस्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण कल दिनांक 28, 01, 2029 को सिद्धि अवस्थी को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी, और नगद 1100 रु पुरस्कार प्रमोद पाण्डेय के द्वारा प्रदान किया गया। कान्यकुब्ज , सभा शिक्षा मंडल सदैव समर्पण के साथ समाज सेवा और बच्चों के बौद्धिक संवर्धन के लिए कार्य करती है । इस अवसर पर सतीश चंद मिश्रा ने कहा प्रत्येक वर्ष अब हम बच्चों के लिए शतरंज प्रतियोगिता रखेंगे पुरस्कार वितरण के समय कान्यकुब्ज ब्रह्मा समाज से संजय अवस्थी , उपाध्यक्ष , राजेश दीक्षित सचिव, प्रमोद पांडे , सतीश मिश्रा, नीता अवस्थी, राधा तिवारी, राजीव अवस्थी (आजीवन सदस्य कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज,)एवं अखिल भारतीय पंचायत परिषद प्रदेश संयोजक मुख्य रूप से उपस्थित थे।

भारतीय समाचारपत्र दिवस की पत्रकारिता जगत को शुभकामनायें

सकारात्मक पत्रकारिता समाज में विश्वास का निर्माण करती है : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

सत्य, साहस और सकारात्मक चेतना की अमर विरासत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने आज भारतीय समाचार पत्र दिवस के अवसर पर सम्पूर्ण पत्रकारिता जगत को शुभकामनायें देते हुये कहा कि भारत में पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि समाचारपत्रों की राष्ट्रनिर्माण में अद्भुत भूमिका रही है। यह दिन पत्रकारिता के निर्भीक चेतना का उत्सव है जिसने भारत में सत्य, साहस और स्वतंत्र अभिव्यक्ति की नींव रखी।

भारतीय समाचारपत्र दिवस हमें उस युग में ले जाता है, जब शब्दों की ताक़त से साम्राज्यों की नींव हिल जाया करती थी। 29 जनवरी 1780 को प्रकाशित हुआ भारत का पहला समाचारपत्र 'हिक्की का बंगाल गजट' भारत ही नहीं एशिया का भी पहला मुद्रित समाचारपत्र था। समाचार पत्र प्रश्न पूछने का साहस रखने वाले पहली स्वतंत्र आवाज़ होते हैं।

स्वामी जी ने कहा कि भारतीय पत्रकारिता की जड़ें भय में नहीं, बल्कि धर्म, दायित्व और जनहित में निहित हैं। समाचारपत्र केवल सूचना देने का माध्यम नहीं रहे, बल्कि उन्होंने समाज को दिशा दी, जनमानस को जागृत किया और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोया। महात्मा गांधी जी से लेकर लोकमान्य तिलक जी तक, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में समाचारपत्रों ने क्रांति का कार्य किया।

स्वामी जी ने कहा कि आज के समय में, जब सूचनाओं की बाढ़ है और सोशल मीडिया के माध्यम से क्षणभर में खबरें फैल जाती हैं, तब समाचारपत्रों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। पत्रकारिता का उद्देश्य सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि सत्य को प्रमाण, संतुलन और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करना है। नकारात्मक नैरेटिव से समाज को भ्रमित करना आसान है, किंतु सकारात्मक, समाधान-केंद्रित पत्रकारिता ही राष्ट्र को सशक्त बनाती है।

कलर्स पर शुरू हो रही है एक शक्तिशाली सेटबैक टू कमबैक यात्रा डॉ. आरंभी

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। कई महिलाओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि बलिदान हर समस्या का अंतिम समाधान है वे अपना जीवन दूसरों का पोषण करने और दूसरों के घावों को भरने में बिताती हैं, जबकि चुपचाप अपनी पहचान को खत्म होने देती हैं। व्यक्तित्व को फिर से हासिल करने के लिए एक शक्तिशाली नई आवाज़ लाते हुए, कलर्स अपने नए शो डॉ. आरंभी के साथ साहस दूसरे मौके और आत्म-सम्मान को बचाए रखने का जीवन रक्षक डोज पेश करता है। यह दिलचस्प सेटबैक-टू-कमबैक ड्रामा प्यार, शादी और महत्वाकांक्षा की परतों को खोलकर दिखाता है कि किसी के जीवन को फिर से शुरू करने और अंदर से ठीक होने के लिए वास्तव में क्या चाहिए। कभी एक मशहूर गोल्ड मेडलिस्ट और एआईपीएमटी टॉपर, डॉ. आरंभी बलबीर चौधरी का भविष्य उम्मीदों से भरा था। 'डॉ. आरंभी' में दूसरे मौके, वापसी, पछतावे और एक नई शुरुआत की तलाश की एक दिल को छू लेने वाली कहानी देखने के लिए तैयार हो जाइए। यह शो आज रात प्रीमियर हो रहा है और उसके बाद हर सोमवार से शुक्रवार, रात 8:00 बजे कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

यूजीसी एक्ट के खिलाफ सवर्ण आर्मी ने भरी हुंकार, सड़कों पर किया प्रदर्शन

सिद्धार्थनगर। जिले में यूजीसी एक्ट को लेकर सवर्ण समाज का आक्रोश अब खुलकर सड़कों पर दिखाई देने लगा है। खेसरहा ब्लाक क्षेत्र के बैलोहा बाजार में सवर्ण आर्मी के नेतृत्व में यूजीसी नियमों के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र की नीतियों के साथ-साथ भाजपा के खिलाफ भी तीखी नारेबाजी की।सैकड़ों की संख्या में जुटे सवर्ण समाज के लोग सेमरा मोड़ से पैदल मार्च करते हुए विकास खण्ड कार्यालय खेसरहा पहुंचे, जहां खण्ड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर यूजीसी के कथित जनविरोधी नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यूजीसी एक्ट शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने वाला है और इससे छात्रों, शिक्षकों व समाज के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा से जुड़े किसी भी निर्णय में व्यापक विमर्श आवश्यक है, लेकिन यूजीसी एक्ट में ऐसा नहीं हुआ। वहीं सवर्ण आर्मी के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार दुबे ने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।इस मौके पर सवर्ण आर्मी के जिला महासचिव शैलेंद्र कुमार पांडे, जिला महामंत्री ज्ञानेंद्र त्रिवेदी, जिला आईसीएल प्रभारी राहुल पांडे, ब्लॉक अध्यक्ष दिग्विजय पांडे सहित अंकित पांडे, नित्यानंद उपाध्याय, सत्य प्रकाश पांडे, बालमुकुंद पांडे, विकास शुक्ला, अमित पांडेय, विकास त्रिपाठी, सोनू मिश्रा, आशुतोष पांडे, महेश, चंद्र भूषण पांडे, मोनू, ओंकार नाथ पांडेय समेत सैकड़ों कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मौके पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा और स्थिति शांतिपूर्ण ढंग से नियंत्रित रही।

अनधिकृत रसायनों के उपयोग के चलते कंफर्ट अगरबत्ती पर लगा प्रतिबंध

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। भारत में घरेलू कीटनाशकों के सुरक्षित इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाली गैर-लाभकारी संस्था, होम इंसेक्ट कंट्रोल एसोसिएशन ने मच्छर भगाने वाली अवैध अगरबत्ती कंफर्ट'पर सरकारी अधिकारियों की कार्रवाई का स्वागत किया है। कंफर्ट मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती की बिक्री पूरे उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, और दिल्ली में की जाती है, जिसका विनिर्माण मेसर्स धूप छांव कंपनी करती है। खुले बाज़ार से इकट्ठा किए गए नमूनों से पुष्टि हुई है कि यह उत्पाद खुले-आम ग्राहकों को बेचा जा रहा था जबकि महाराष्ट्र कृषि विभाग की ओर से प्रयोगशाला में की गई जांच के दौरान कंफर्ट में डाइमेफ्लुथ्रिन, एक अवैध रसायन पाया गया जिसके उपयोग की मंज़ूरी कंपनी ने पास नहीं थी। बताया जाता है कि कंफर्ट अगरबत्ती की बिक्री उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों जैसे लखनऊ, वाराणसी, कानपुर से अन्य इलाकों में की जाती है।

कल्पवास से मिलती है आध्यात्मिक ऊर्जा : साध्वी रानी लक्ष्मी मां

धर्म गुरू, अंतर्राष्ट्रीय साध्वी ने शिष्यों को दिया आशीर्वाद

प्रयागराज। प्रयाग के धर्म गुरू स्वामी रंजीत मिश्रा महराज और जगदगुरू जगदमाता अंतर्राष्ट्रीय साध्वी रानी लक्ष्मी मां ने आज माघ मेला के सेक्टर-6 ओल्ड जीटी रोड पर लगे शिविर में देश के कोने - कोने से बडी संख्या में आये शिष्यों को आशीर्वाद देते हुए उनके मंगल की कामना किया। धर्म गुरू स्वामी रंजीत मिश्रा महराज ने कहा कि सनातन धर्मावलंबियों के लिए तीर्थराज प्रयागराज का माघ मेला सबसे उत्तम तपस्या का स्थल है ऐसे में सभी सनातन धर्मावलंबियों को माघ मास में आकर कम से कम एक बार कल्पवास करते हुए कथा, प्रवचन सुनते हुए दान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तीर्थराज प्रयागराज भगवान ब्राह्म की तपस्थली रही है उन्होंने सृष्टि निर्माण के लिए यहां के दशाश्वमेघ घाट (दारागंज) में पहला यज्ञ किया था, भगवान विष्णु ने अक्षयवट पर बच्चे के रूप मे अगूठा चूसते हुए विश्व को सृष्टि निर्माण का नया संदेश दिया था ऐसे में तीर्थराज सबसे बडी और सबसे पवित्र तपस्थली है। जगदगुरू जगदमाता अंतर्राष्ट्रीय साध्वी रानी लक्ष्मी मां ने बताया कि बचपन से मेरा धर्म की तरफ रूझान था जिससे आज वेद, वेदांग, उप निषद, श्रीमदभागवद गीता का अध्ययन कर बहुत कुछ सनातन धर्म के बारे मे ज्ञान प्राप्त किया हू। उन्होंने बताया कि माघ मास में एक माह कल्पवास करके धार्मिक ज्ञान के साथ आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त किया जिससे अब विश्व में सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करूगी और लोगों को जोडते हुए सनातन धर्म को और मजबूत करूंगी। उन्होंने बताया कि शिविर मे पूजन, हवन और विशाल भण्डारा माघी पूर्णिमा तक चलता रहेगा।

भाजपा से लेकर फंट तक की गणित बिगड़ी

भिवंडी में सेकुलर फ्रंट को बड़ा झटका, सपा की साइकिल कांग्रेस खेमे से खिसकी!

13 नगरसेवकों का नया फ्रंट बना 'किंगमेकर'

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका में सेकुलर फ्रंट के जरिए मेयर बनाने का कांग्रेस का सपना फिलहाल टूटता नजर आ रहा है। समाजवादी पार्टी के इस फ्रंट से अलग हो जाने के बाद अब पूरा गणित कोर्णाक विकास आघाड़ी के चार नगरसेवकों पर टिक गया है। सपा की साइकिल के कांग्रेस खेमे से खिसकते ही सत्ता की बाजी पूरी तरह पलट गई है।

90 सीटों वाली भिवंडी मनपा में कांग्रेस को 30 सीटों पर जीत मिली है, जबकि राकांपा (शरद पवार) के 12 और समाजवादी पार्टी के 6 नगरसेवकों को मिलाकर सेकुलर फ्रंट का आंकड़ा 46 तक पहुंच रहा था, जिसे स्पष्ट बहुमत माना जा रहा था। इसी भरोसे पर कांग्रेस शहर अध्यक्ष व पूर्व विधायक एडवोकेट रशीद ताहिर मोमिन, सपा विधायक रईस कासम शेख, राकांपा (शरद पवार) के शहर जिला अध्यक्ष शोहेब खान गुडडू और सपा प्रदेश उपाध्यक्ष अजय यादव ने संयुक्त रूप से सेकुलर फ्रंट का मेयर बनाने का दावा करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। लेकिन

इसी दौरान बड़ा राजनीतिक उलटफेर हो गया। भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से जीते समाजवादी पार्टी के सभी 6 नगरसेवक कांग्रेस खेमे से खिसक गए। चर्चा है कि भिवंडी विकास आघाड़ी के 3, कोर्णाक विकास आघाड़ी के 4 और समाजवादी पार्टी के 6, कुल 13 नगरसेवकों ने मिलकर अलग से एक नया फ्रंट बना लिया है। यही नया फ्रंट अब भाजपा महायुति और कांग्रेस-राकांपा युक्त सेकुलर फ्रंट–दोनों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

सूत्रों के अनुसार, इस संयुक्त फ्रंट में पूर्व दो मेयरों की मौजूदगी के चलते मेयर की कुर्सी अब इसी गुट के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई दे रही है। राजनीतिक गलियारों में माना जा रहा है कि यही फ्रंट अंतिम समय में 'किंगमेकर' की भूमिका निभाएगा। सपा के भीतर मची उथल-पुथल भी इस घटनाक्रम की बड़ी वजह मानी जा रही है। बताया जाता है कि सपा विधायक रईस कासम शेख ने भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ कांग्रेस और राकांपा प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया था, जिसके चलते सभी सपा उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद विधायक शेख के जीते समर्थक कांग्रेस और राकांपा के नगरसेवकों द्वारा कथित तौर पर साइकिलें तोड़े जाने की घटनाएं सामने आईं, जिससे समाजवादी पार्टी की भारी बदनामी हुई। इसी नाराजगी के चलते पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता और नगरसेवक विधायक शेख से दूर होते चले गए और 'साइकिल तोड़ने' का बदला लेने के इरादे से सेकुलर फ्रंट से किनारा कर लिया।अब राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि भाजपा के नारायण चौधरी, कोर्णाक विकास आघाड़ी के विलास आर. पाटिल या मयुरेश पाटिल, अथवा भिवंडी विकास आघाड़ी के पूर्व मेयर जावेद दलवी एक बार फिर भिवंडी के मेयर की कुर्सी संभाल सकते है। भिवंडी की सत्ता में कौन बैठेगा, इसका फैसला अब इन 13 नगरसेवकों के रुख पर टिका हुआ है।

कशेली बस स्टैंड के सामने सरेआम चैन स्नैचिंग कर बाइक सवार बदमाश हुए फरार,फैला भय

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी कशेली बस स्टैंड परिसर में बुधवार शाम बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने सरेआम एक व्यक्ति के गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। जिसकी कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई जा रही है।दिनदहाड़े घटी इस घटना के बाद क्षेत्र में भय का माहौल व्याप्त है।पुलिस अज्ञात स्नैचरों पर केस दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के गुंदवली गांव निवासी मेथा गोविंद पाटील (46) अपने भतीजे की शादी के निमंत्रण पत्र बांटने के लिए कशेली गए थे। 28 जनवरी की शाम करीब 7.15 बजे वे कशेली बस स्टैंड के सामने एक रिक्शा में बैठे हुए थे। इसी दौरान काले रंग की मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवक सामने से आए और बाइक पर पीछे बैठे युवक ने अचानक मेथा के गले से करीब एक तोला वजन की सोने की चेन जबरन खींच ली।वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश तेज रफ्तार में मोटरसाइकिल से मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। नारपोली पुलिस ने अज्ञात झपटमार आरोपियों के खिलाफ छीनेती का केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दिया है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक आकाश पवार कर रहे हैं।

चाकू की नोक पर कार में बैठे ठेकेदार से 50 हजार और टैब की जबरन छिनौती

भिवंडी। नाशिक-मुंबई रोड पर सरवली पाड़ा इलाके में मंगलवार शाम बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने चाकू दिखाकर एक ठेकेदार से लूट की वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। बदमाशों ने कार में बैठे व्यक्ति के हाथ से काली बैग छीन ली, जिसमें करीब 50 हजार रुपये नकद और सैमसंग कंपनी का टैब था।इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

बपुलिस के अनुसार, नाशिक निवासी सुभाष दिनानाथ प्रसाद (42), पेशे से कंस्ट्रक्शन ठेकेदार, अपने मित्र अंकुश बोडके के साथ कार (एमएच-15 एफएफ 8710) से मुंबई जा रहे थे। 27 जनवरी की शाम करीब 7.30 बजे सरवली पाड़ा स्थित बाबोसा कंपाउंड के पीछे उनकी कार रुकी। इसी दौरान अंकुश बोडके प्राकृतिक आवश्यकता के लिए कार से उतरकर कुछ दूरी पर चले गए, जबकि सुभाष कार में अकेले बैठे थे।इसी दौरान काले रंग की एफ-शेड मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवक कार के पास पहुंचे और पीछे बैठे बदमाश ने सुभाष के हाथ में मौजूद काली बैग जबरन खींचने की कोशिश की। विरोध करने पर बदमाशों ने न सिर्फ मारपीट की, बल्कि चाकू दिखाकर धमकाया और बैग छीनकर नाशिक की दिशा में तेज रफ्तार से फरार हो गए।

घटना की शिकायत कोनगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक रोहन गायकवाड़ कर रहे हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और बदमाशों की तलाश जारी है।

महर्षि आजाद राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में शशांक इलेवन और रायबरेली सेमीफाइनल में

मास्टर एकेडमी व झारखंड का सफर समाप्त

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावां क्षेत्र स्थित महर्षि आज़ाद स्टेडियम, मेढ़ी में आयोजित महर्षि आज़ाद राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत गुरुवार को खेले गए दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शशांक इलेवन मोढ़ और रायबरेली की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। हार के साथ मास्टर क्रिकेट एकेडमी सुरियावां और झारखंड की टीमें प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी मास्टर एकेडमी की टीम 16 ओवर में 9 विकेट खोकर 109 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सूरत ने 20 गेंदों पर 38 रनों की आक्रामक पारी खेली, जबकि अभिजीत ने 26 गेंदों में 19 रन बनाए।

शशांक इलेवन की ओर से मयंक दुबे ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में मात्र 8 रन देकर 3 विकेट झटके। कुलदीप मिश्रा और अभिनव तिवारी को दो-दो विकेट मिले।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी शशांक इलेवन की टीम ने 13.5 ओवर में 4 विकेट खोकर 114 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। हर्षित तिवारी ने 36 गेंदों पर नाबाद 44 रनों की शानदार पारी खेली। मनु राजा ने 14 गेंदों में 26 रन और मयंक दुबे ने 14 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाकर टीम की जीत को आसान बना दिया।

दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रायबरेली की टीम ने झारखंड को

एकतरफा मुकाबले में शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड की पूरी टीम 18.3 ओवर में मात्र 81 रन पर सिमट गई। झारखंड की ओर से अभिषेक ने सर्वाधिक 25 रन बनाए।

रायबरेली के लिए उमर ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 7 रन देकर 4 विकेट झटके। अमित वर्मा और आनंद प्रकाश ने दो-दो विकेट लेकर विपक्षी टीम को कम स्कोर पर रोक दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए रायबरेली की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए बिना कोई विकेट गंवाए मात्र 6.3 ओवर में 85 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। उमर ने नाबाद 46 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि विकेटकीपर सक्षम ने नाबाद 32 रन बनाकर उनका भरपूर साथ दिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्रतियोगिता के चीफ ऑर्गेनाइजर प्रतीक महर्षि दूबे द्वारा मोहम्मद उमर को मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सचिव अमर बहादुर सिंह, विजयशंकर राय, राजमणि पांडेय, मथुरा प्रसाद यादव, दिनेश यादव 'दादा', जमींदार बिंद, राजकुमार सरोज, जेपी सिंह, श्याम बहादुर यादव, परमेंद्र गौतम, राकेश वर्मा, मनोज गौतम, अतुल सिंह, नितेश श्रीवास्तव, सनी सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुंबई कमाने निकल युवक की तालाब में मिली लाश

सिद्धार्थनगर। जिले के शिवनगर डिडई थाना क्षेत्र के असनहरा गांव निवासी हफीजुल्ला पुत्र मो0 रफीक ने थाने पर लिखित सूचना दी गयी कि उसके बड़े भाई उताउल्लाह पुत्र मो0 रफीक उम्र 25 वर्ष का शव असनहरा गांव के दक्षिण तालाब मे पड़ा था अत्ताउल्लाह अपने घर से मुंबई के लिए रोजी रोटी के लिए घर से निकला था और उसकी मोबाइल बंद हो गई। शव मिलने से परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल है। सूचना पर उप निरीक्षक शिवनारायन यादव, उप निरीक्षक राजीव जी भट्ट, उप निरीक्षक मृत्युंजय मिश्रा मय फोर्स के मौके पर पहुँच कर विधिक कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार मौर्या ने बताया की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है पीएम रिर्पोट आने के बाद कुछ कहा जा सकता है।

गोरखपुर ने देवरिया को चार विकेट से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जनपद के वीरेंद्र ग्रामीण स्टेडियम छतहरी शोहरतगढ़ में बृहस्पतिवार को सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-4 के तहत गोरखपुर और देवरिया के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। शानदार प्रदर्शन करते हुए गोरखपुर की टीम ने देवरिया को चार विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

गोरखपुर के कप्तान नीरज यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए देवरिया की टीम ने निर्धारित 16 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 135 रन बनाए। देवरिया की ओर से आशीष यादव ने शानदार 64 रन की पारी खेली। वहीं विवेक सिंह ने 24 रन और शाकिर अली ने 18 रनों का योगदान दिया। गोरखपुर की गेंदबाजी में अनुराग यादव और शिवम ने दो-दो विकेट चटकाए, जबकि आदित्य और संदीप को एक-एक सफलता मिली।136 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोरखपुर की टीम ने 15.4 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। गोरखपुर की ओर से अंकुर ने 30 रन, आर्यन सिंह ने 22 रन और आनंद दुबे ने नाबाद 24 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। देवरिया की तरफ से आकाश और सुजल ने दो-दो विकेट लिए जबकि विवेक सिंह और शाकिर अली को एक-एक विकेट मिला।

मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए गोरखपुर के अनुराग यादव को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। गोरखपुर व देवरिया मैच के मुख्य अतिथि असरफ मेमोरियल हॉस्पिटल शोहरतगढ़ के सर्जन डॉ. नसीम अहमद ने फीता काटकर मैच का शुभारंभ किया और दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सर्जन डॉ नसीम अहमद, नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, मनीष श्रीवास्तव, विवेक त्रिपाठी, विपिन त्रिपाठी, राजेश उपाध्याय, बेचन प्रसाद, केशव यादव, राहुल चौधरी, चंदन पांडे, वकील खान, बाबूजी अंसारी, गुलाम गौस, चंद्र प्रकाश उर्फ चिंटू, केशवराम यादव, पप्पू यादव, राकेश राज, रामानंद पाण्डेय, पियुष सिंह, मनोज कुमार सहित कई गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

पुलिस ने नाबालिक के अपहरण का आरोपी हुआ गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण में व मंयक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहतगढ के कुशल निर्देशन व अभय सिंह थानाध्यक्ष कठेला समय माता के नेतृत्व में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-06/2026 धारा 137(2)/87/65(1) बीएनएस व 5/6 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त को ग्राम सौरहवा ग्राण्ट के पास से उप निरीक्षक आनंद कुमार , कास्टेबल शुभम सिंह ने इरशाद पुत्र छेदी साकिन सौरहवाग्रान्ट टोला धुन्नीजोत को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा।

पुलिस व सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम द्वारा 24 घंटे के भीतर अपहरण कीघटना का किया खुलासा

सिद्धार्थनगर। जिले त्रिलोकपुर थाना पर एक युवक के अपहरण की सूचना प्राप्त हुई, जिसमें परिजनों को अज्ञात व्यक्ति द्वारा युवक के अपहरण का दावा करते हुए 6, 00, 000 (छह लाख रुपये) की फिरौती की मांग की गई तथा धनराशि न देने पर युवक की हत्या करने की धमकी दी गई जिस पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-11/2026 धारा 140(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया तथा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ट पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा तत्काल थाना त्रिलोकपुर व सर्विलांस की विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया । प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के निर्देशन पर व बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल पर्यवेक्षण में चन्द्रकान्त पाण्डेय थानाध्यक्ष त्रिलोकपुर के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल कॉल डिटेल, लोकेशन ट्रैकिंग एवं अन्य तथ्यों के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर उप निरीक्षक हरेन्द्र चौहान, प्रभारी सर्विलांस सेल, उप निरीक्षक गणेश कुमार, मुख्य आरक्षी जनार्दन सर्विलांस सेल, आरक्षी जुनेद अहमद, सत्यवीर यादव, अमरजीत यादव, धर्मेन्द्र गोंड की टीम ने अमन मिश्रा पुत्र विद्या प्रसाद निवासी ग्राम कठौतियाराम को सकुशल बरामद कर लिया गया । पुलिस पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि उक्त युवक द्वारा स्वयं ही अपने अपहरण की सूचना दी गई थी तथा पैसों की व्यवस्था के उद्देश्य से अपने ही परिजनों से फिरौती की मांग की गई थी।

मत्स्य विभाग द्वारा 31 जनवरी को पंजीकरण कैम्प का आयोजन

भदोही। प्रभारी मत्स्य विभाग अमित सिंह ने जनसामान्य को सूचित किया है कि जनपद भदोही में प्रधानमंत्री मत्स्य किसान सह-समृद्धि योजना संचालित है। योजना के अंतर्गत एनएफडीपी पोर्टल के माध्यम से मत्स्य पालन, मत्स्य विपणन, मछली पकड़ने, नाव व जाल से जुड़े व्यक्तियों का पंजीकरण किया जा रहा है, ताकि उन्हें मत्स्य विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा सके। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में मत्स्य विभाग द्वारा 31 जनवरी 2026 को रामपुर घाट, बेरापुर में पूर्वाह्न 10 बजे से पंजीकरण कैम्प आयोजित किया जाएगा। कैम्प के माध्यम से मत्स्य गतिविधियों से जुड़े सभी पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण कराकर योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। मत्स्य विभाग ने जनपद के समस्त मत्स्य व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर कैम्प में पहुंचकर अपना पंजीकरण अवश्य कराएं।

कर्म ही साधन, कर्म ही साध्य – इं. देवेंद्र नाथ शुक्ला 'कृष्णार्पित'

प्रयागराज, माघ मेला। माघ मेला क्षेत्र के हर्षवर्धन मार्ग स्थित कृष्णार्पित ट्रस्ट के पंडाल में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर श्रीमद्भगवद्गीता के तृतीय अध्याय कर्मयोग का शास्त्रीय, तात्त्विक एवं गूढ़ विवेचन प्रस्तुत किया गया। कथा-वाचन इं. देवेंद्र नाथ शुक्ला 'कृष्णार्पित' द्वारा वेद-उपनिषद् परंपरा के आलोक में किया गया।

कथावाचक ने प्रतिपादित किया कि द्वितीय अध्याय में आत्मा की नित्यता, ब्राह्मी स्थिति एवं निश्चयात्मिका बुद्धि का उपदेश देकर भगवान श्रीकृष्ण तृतीय अध्याय में कर्म के स्वरूप, उसकी अनिवार्यता तथा उसके मोक्षोपयोगी रूप को स्पष्ट करते हैं।

अर्जुन का संशय और श्रीकृष्ण का उत्तर

अर्जुन ज्ञान की श्रेष्ठता स्वीकार करते हुए प्रश्न करता है– यदि ज्ञान कर्म से श्रेष्ठ है, तो युद्ध जैसे घोर कर्म में प्रवृत्त होने की प्रेरणा क्यों? इस पर भगवान श्रीकृष्ण उद्घोष करते हैं–

'न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत्।'

अर्थात संसार में कोई भी प्राणी क्षणमात्र भी अकर्म नहीं रह सकता।

नियत कर्म एवं स्वधर्म का प्रतिपादन

कथावाचक ने कहा कि श्रीकृष्ण अर्जुन को उसके नियत कर्म का स्मरण कराते हैं।

स्वधर्मानुसार किया गया कर्म ही श्रेयस्कर है, भले ही वह कठिन प्रतीत हो।

'श्रेयान्स्वधर्मो विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात्।'

परधर्म का आचरण भयावह है, जबकि स्वधर्म आत्मोद्धार का साधन है।

कर्मयोग का सिद्धांत

गीता के अनुसार कर्म त्याग का विषय नहीं, अपितु कर्म में आसक्ति का त्याग आवश्यक है।

यज्ञार्थ किया गया कर्म बंधनरहित होता है, अन्यथा कर्म बंधन का कारण बनता है।

कथावाचक ने कहा कि कर्मयोग आत्मशुद्धि की प्रक्रिया है, जिसमें कर्म करते हुए भी साधक अंतःकरण से निर्लिप्त रहता है।

लोकसंग्रह और महापुरुषों का आदर्श

श्रीकृष्ण जनकादि राजर्षियों का उदाहरण देते हुए बताते हैं कि ज्ञानी पुरुष भी लोकसंग्रह के लिए कर्म करते हैं।

'यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।'

श्रेष्ठ पुरुष का आचरण ही समाज का मार्गदर्शन करता है।

कर्म का शत्रु - काम

कथा में कर्म के प्रधान शत्रु काम का शास्त्रीय विश्लेषण करते हुए कहा गया– काम ही क्रोध का कारण है और वही ज्ञान को आच्छादित करता है।

'काम एष क्रोध एष रजोगुणसमुद्भवः।'

इंद्रिय, मन और बुद्धि पर विजय प्राप्त कर ही साधक इस शत्रु पर नियंत्रण कर सकता है।

प्रकृति और अहंकार का विवेचन

कथावाचक ने बताया कि समस्त कर्म प्रकृति के गुणों द्वारा संपन्न होते हैं।

अहंकारवश स्वयं को कर्ता मानने से ही बंधन उत्पन्न होता है।

ज्ञानी पुरुष यह जानता है कि– कर्म प्रकृति करती है,

वह स्वयं केवल साक्षी मात्र है।

कर्मयोग का परम लक्ष्य

कथा का उपसंहार करते हुए इं. देवेंद्र नाथ शुक्ला 'कृष्णार्पित' ने कहा कि– कर्मयोग आत्मकल्याण एवं लोककल्याण का सेतु है।

कर्म में स्थित होकर ही मनुष्य मोक्षमार्ग पर अग्रसर होता है।

तृतीय दिवस की यह कथा गीता के कर्मयोग को केवल दार्शनिक सिद्धांत नहीं, अपितु मानव जीवन की अनिवार्य साधना के रूप में प्रतिष्ठित करती है।

कथा के अंत में पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं ने 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय', 'जय श्रीकृष्ण' एवं 'हर-हर गंगे' के घोष से वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया।

गुजरात की झांकी का जलवा, लगातार चौथे साल पॉपुलर चॉइस में नंबर-1

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर एक बार फिर गुजरात का डंका बजा है। गुजरात की झांकी 'स्वतंत्रता का मंत्र वंदेमातरम्' ने देशवासियों का दिल जीतते हुए 'पॉपुलर चॉइस अवॉर्ड' कैटेगरी में लगातार चौथे साल प्रथम स्थान हासिल कर एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल ने इस शानदार जीत पर सूचना विभाग को बधाई देते हुए इसे राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रभक्ति का सम्मान बताया है। यहां इस ऐतिहासिक जीत की पूरी जानकारी दी गई है।

गुजरात की झांकी को मिला बंपर जनसमर्थन केंद्र सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा माईगव पोर्टल पर आयोजित ऑनलाइन वोटिंग में गुजरात ने एकतरफा जीत दर्ज की। कुल मतों में से अकेले गुजरात को 43 प्रतिशत वोट मिले।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने किया मैक्सवेल का समर्थन, टी20 वर्ल्ड कप से पहले फॉर्म में आ जाएंगे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने खराब बिग बैश लीग (बीबीएल) कैंपेन के बावजूद ग्लेन मैक्सवेल को खराब फॉर्म से उबरने और अगले महीने होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में बड़े मंच पर अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा जताया है। मैक्सवेल ने बीबीएल में मेलबर्न स्टार्स के लिए सिर्फ 76 रन बनाए जिनका औसत 15.20 रहा और उन्होंने दो विकेट लिए, साथ ही कई कैच भी छोड़े। उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 वर्ल्ड कप सीरीज से आराम दिया गया है, लेकिन वह 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप के पहले मैच से पहले श्रीलंका में टीम में शामिल होंगे।

द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन के हवाले से पोंटिंग ने कहा, 'वह ऐसा कर सकते हैं क्योंकि उन्होंने हमेशा ऐसा किया है। मैंने उन्हें बहुत कोचिंग दी है और यह समझना बहुत मुश्किल है कि उनके साथ क्या होने वाला है क्योंकि वह एक हफ्ते तक ऐसी ट्रेनिंग कर सकते हैं जो आपने पहले कभी नहीं देखी होगी और फिर मैदान पर आकर कुछ नहीं होता। और वह मैच से पहले दुनिया का सबसे खराब हफ्ता बिता सकते हैं और फिर मैदान पर आकर कुछ कमाल कर सकते हैं।'

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि उम्र एक फैक्टर हो सकती है, लेकिन उनका मानना है कि टी20 वर्ल्ड कप का मंच मैक्सवेल को फिर से जोश दिला सकता है। पोंटिंग ने कहा, 'अगर जोश कम होने लगता है, तो उसे ढूंढना और वापस लाना मुश्किल होता है। लेकिन अगर कोई चीज उसे वापस ला सकती है, तो वह वर्ल्ड कप है। पिछले वर्ल्ड कप में उनके कुछ बहुत शानदार पल रहे हैं और उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया के लिए वह अगले कुछ हफ्तों में कुछ और ऐसे पल दे पाएंगे।'

पोंटिंग को उम्मीद है कि मैक्सवेल को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के लिए चुना जाएगा, ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में जिम्बाब्वे, श्रीलंका और ओमान का भी सामना करेगा। उन्होंने कहा, 'अभी आप उन्हें फॉर्म के आधार पर नहीं चुन सकते क्योंकि उस टीम में बाकी सभी ने बीबीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन वे उन्हें उनके अनुभव और शायद परिस्थितियों के कारण भी चुनेंगे। उन्हें शायद बहुत ज़्यादा स्पिन गेंदबाजी का सामना करना पड़ेगा और वह खुद भी गेंदबाजी करने का विकल्प देंगे। उनके पास कुछ आसान मैच हैं और शायद यही उन्हें फॉर्म में आने के लिए चाहिए। शुरुआत में थोड़ा नरम विरोध और कुछ रन और विकेट लेने से उन्हें बाद के मैचों में फायदा हो सकता है।'

टी20 विश्व कप : पाकिस्तान भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगा या नहीं, सामने आई बड़ी जानकारी

लाहौर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टी20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सूत्र ने कहा, 'पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।' सूत्र ने बताया कि पीसीबी ने भारत में खेलने को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की 'सुरक्षा चिंताओं' पर पूरा समर्थन जताया है, लेकिन आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) में अपनी स्थिति को नुकसान पहुंचाए बिना वह इससे आगे कुछ नहीं कर सकता।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), पीसीबी और आईसीसी के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता भी है, जिसके तहत 2027 तक आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत-पाकिस्तान के सभी मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे। सूत्र ने कहा, 'इसमें ध्यान रखने वाली बात यह है कि पाकिस्तान का पूरा विश्व कप कार्यक्रम श्रीलंका में है, यहां तक कि अगर टीम फाइनल में पहुंचती है तो फाइनल भी वहीं खेला जाएगा। ऐसे में वे टूर्नामेंट या भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार किस आधार पर करेंगे?'

उम्मीद है कि पीसीबी शुक्रवार को अपनी भागीदारी की औपचारिक पुष्टि कर देगा। मीडिया के कुछ हिस्सों में अटकलें लगाई जा रही थीं कि पाकिस्तान टूर्नामेंट से हट सकता है या भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर सकता है। एक अंदरूनी सूत्र ने हालांकि इन खबरों को महज अफवाह बताया। सूत्र ने कहा, 'जब पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की, तो उन्होंने साफ किया कि सभी फैसले पाकिस्तान क्रिकेट के स्थिर और मजबूत भविष्य को ध्यान में रखकर लिए जाएंगे और आईसीसी व अन्य सदस्य बोर्डों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखे जाएंगे।'

उन्होंने कहा कि इन अटकलों में कोई तर्क नहीं है और यह भी नहीं बताया गया कि पीसीबी किस आधार पर विश्व कप छोड़ सकता है या भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार कर सकता है। सूत्र ने कहा, 'भारतीय सरकार ने अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलने की अनुमति नहीं दी है, लेकिन एशिया कप स्तर के टूर्नामेंटों या आईसीसी आयोजनों में तटस्थ स्थल पर भारत-पाकिस्तान मैच खेलने पर कोई रोक नहीं है।' उन्होंने सवाल किया, 'जब पाकिस्तान सरकार खुद कहती रही है कि खेल को राजनीति से अलग रखना चाहिए, तो फिर भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार कैसे जायज ठहराया जाएगा?'

भारत में बने वाहनों की वैश्विक बाजार में बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है निर्यात वृद्धि-समीक्षा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वाहनों के निर्यात में तेज वृद्धि वैश्विक बाजारों में भारत में निर्मित वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है। बृहस्पतिवार को संसद में पेश वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में यह बात कही गई है। आर्थिक समीक्षा के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, दोपहिया और तिपहिया श्रेणियों को मिलाकर 53 लाख से अधिक वाहनों का निर्यात किया गया। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में भी वाहन निर्यात में दहाई अंक में वृद्धि दर्ज की गई। इसमें कहा गया है कि कोविड महामारी के बाद मांग पक्ष में मजबूत सुधार देखने को मिला है, जिससे वाहनों का उत्पादन और बिक्री दोनों में वृद्धि हुई है। पिछले एक दशक यानी वित्त वर्ष 2014-15 से 2024-25 के दौरान वाहन उद्योग में लगभग 33 प्रतिशत उत्पादन वृद्धि दर्ज की गई है।

आर्थिक समीक्षा के मुताबिक, व्यापक विनिर्माण आधार और मजबूत वाहन कलपुर्जा परिवेश के समर्थन से यह उद्योग प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से तीन करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है और देश के कुल जीएसटी संग्रह में भी करीब 15 प्रतिशत योगदान करता है। इसके मुताबिक, वाहन उद्योग भारत की आर्थिक वृद्धि का एक प्रमुख चालक बना हुआ है। भारत दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों का दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है जबकि यात्री एवं वाणिज्यिक वाहनों के मामले में वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा बाजार है।

आर्थिक समीक्षा कहती है कि वाहन और वाहन कलपुर्जा उद्योग के लिए 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना, उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, पीएम ई-ड्राइव योजना और पीएम ई-बस सेवा-पेमेंट सिक्योरिटी मैकेनिज्म (पीएसएम) जैसी सरकारी पहल से हाल के वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा समीक्षा कहती है कि मार्च, 2024 में अधिसूचित भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (एसएमईसी) भी इस क्षेत्र की वृद्धि में मददगार बन रही है।

ग्लेन फिलिप्स ने रचा इतिहास, बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे कीवी बल्लेबाज बने

विशाखापत्तनम **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड ने बुधवार को खेले गए चौथे टी20 इंटरनेशनल में पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 7 विकेट पर 215 रन बनाए और जवाब में भारतीय टीम को 18.4 ओवर में 165 रन पर समेटकर मुकाबला 50 रन से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने पांच मैचों की सीरीज़ में स्कोर 3-1 कर दिया। इसी मुकाबले में न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाज़ ग्लेन फिलिप्स ने भी एक बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि दर्ज की और वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले न्यूज़ीलैंड के तीसरे बल्लेबाज़ बन गए।

इस मुकाबले में न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाज़ ग्लेन फिलिप्स ने भी एक बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि दर्ज की। वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले न्यूज़ीलैंड के तीसरे बल्लेबाज़ बन गए। 29 वर्षीय फिलिप्स ने अपनी छोटी लेकिन उपयोगी पारी में 24 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल रहा। 216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शिवम दुबे ने लगभग अकेले दम पर संघर्ष किया। उन्होंने 23 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल थे, लेकिन अन्य बल्लेबाज़ों से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला।

हालांकि गेंदबाज़ी में कप्तान मिचेल सैंटनर न्यूज़ीलैंड के लिए सबसे सफल रहे। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट झटके। इसके अलावा ईश सोढ़ी और जैकब डफी ने भी 2-2 विकेट लेकर टीम की जीत में योगदान दिया।

आर्थिक सर्वे में चेतावनी : दुनिया पर मंडरा रहा महाक्रैश का खतरा! आएगा 2008 जैसा क्राइसिस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आर्थिक सर्वे 2026 में भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने पूरी दुनिया को लेकर बड़ा अलर्ट जारी किया है। सर्वे में चेतावनी दी गई है कि साल 2026 में वैश्विक व्यवस्था के टूटने का खतरा बन सकता है और हालात 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट जैसे–या उससे भी ज्यादा खराब–हो सकते हैं। सर्वे के मुताबिक, ऐसे गंभीर संकट की संभावना 10 से 20 प्रतिशत तक आंकी गई है।

दुनिया 2025 जैसी स्थिति में बनी रहेगी। वैश्विक सिस्टम जुड़ा रहेगा, लेकिन पहले से ज्यादा कमजोर और नाजुक होगा। भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक विवाद और वित्तीय दबाव जारी रहेंगे, हालांकि हालात और ज्यादा नहीं बिगड़ेंगे।

देशों के बीच टकराव बढ़ेगा। व्यापार जबरदस्ती और दबाव की नीति पर चलेगा। प्रतिबंधों की संख्या बढ़ेगी और एक देश में शुरू हुआ वित्तीय संकट आसानी से दूसरे देशों तक फैल सकता है। वैश्विक सहयोग कमजोर पड़ने का खतरा रहेगा।

वित्तीय तनाव, तकनीकी जोखिम (जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और भू-राजनीतिक संघर्ष एक साथ मिलकर बड़े संकट को जन्म दे सकते हैं। सर्वे में साफ कहा गया है कि इस स्थिति में हालात 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट से भी ज्यादा भयावह हो सकते हैं।

आर्थिक सर्वे के मुताबिक, भारत अपनी मजबूत मैक्रो-इकोनॉमिक बुनियाद के चलते कई देशों से बेहतर स्थिति में है। वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.8 से 7.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। हालांकि सर्वे ने यह भी चेताया है कि भारत पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों की धीमी ग्रोथ, टैरिफ से जुड़ी बाधाएं और पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव भारत के निर्यात और बाजार की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं।

सर्वे में यह भी कहा गया है कि अगर अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताएं इस साल पूरी होती हैं, तो इससे कुछ हद तक बाहरी अनिश्चितता कम हो सकती है। लेकिन कुल मिलाकर, आर्थिक सर्वे ने साफ संकेत दिया है कि साल 2026 भारत और पूरी दुनिया–दोनों के लिए सतर्कता और सावधानी का साल साबित हो सकता है।

हिंदुस्तान कॉपर के शेयरों में जबरदस्त उछाल, 52-हफ्ते के हाई पर पहुंचा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। गुरुवार को हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली और यह 52-हफ्ते के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। पिछले चार कारोबारी सत्रों में शेयर करीब 40 फीसदी उछल चुका है, जबकि बीते 30 दिनों में इसमें लगभग 50 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। लंबी अवधि में देखें तो छह महीनों में शेयर 180 फीसदी से ज्यादा चढ़ चुका है।

गुरुवार को बीएसई पर हिंदुस्तान कॉपर का शेयर 19.84 फीसदी उछलकर 758.25 रुपए पर पहुंच गया। इस तेजी की शुरुआत पिछले सप्ताह से हुई थी। 22 जनवरी को शेयर 531.80 रुपए पर बंद हुआ था, जिसके बाद इसमें लगातार मजबूती बनी हुई है। मंगलवार को शेयर में 5 फीसदी और बुधवार को 12.5 फीसदी की तेजी आई थी।

भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार को लेकर अनिश्चितता और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के चलते तांबे की मांग में इजाफा हुआ है, जिससे कीमतों को मजबूती मिली है। इंडसइंड सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी के मुताबिक, तांबा अपने ऑल-टाइम हाई पर पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि तांबे के फ्यूचर्स में करीब 5 फीसदी की तेजी आई और भाव 6.2 डॉलर प्रति पाउंड के ऊपर चला गया। निवेशक तेजी से रियल एसेट्स जैसे सोना, चांदी और तांबे की ओर रुख कर रहे हैं, क्योंकि वैश्विक भू-राजनीतिक और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच डॉलर कमजोर हुआ है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम को मिली नई कप्तान, एलिसा हीली के बाद अब सोफी मोलिनी को मौका

सिडनी **(एजेंसी)**। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सोफी मोलिनी को गुरुवार को अगले महीने वनडे विश्व चैंपियन भारत के खिलाफ होने वाली टी20 श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम का कप्तान नियुक्त किया गया और इस घरेलू श्रृंखला के बाद वह एलिसा हीली की जगह सभी प्रारूपों में कप्तानी संभालेंगी।

हीली ने घोषणा की थी कि भारत के खिलाफ खेलने के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। भारत के खिलाफ वह तीन वनडे और एक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगी। भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की सभी प्रारूपों के लिए टीमों की घोषणा गुरुवार को की गई। भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 15 फरवरी को सिडनी में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से शुरू होगा। बाकी दो मैच 19 और 21 फरवरी को क्रमशः कैनबरा और एडिलेड में खेले जाएंगे।

तीन मैचों की वनडे सीरीज 24, 27 फरवरी और एक मार्च को खेली जाएगी। पहला मैच ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में जबकि अगले दो मैच होबार्ट के बेलेरिव ओवल में खेले जाएंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एकमात्र टेस्ट मैच पर्थ के प्रतिष्ठित वाका ग्राउंड में छह से नौ मार्च तक खेला जाएगा। इसके बाद मार्च में वेस्टइंडीज के दौरे में मोलिनी सभी प्रारूपों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान होगी।

निकोला कैरी ने सीमित ओवरों के प्रारूप में वापसी की है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल 19 वर्षीय लूसी हैमिल्टन को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ की बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड को चोटिल होने के कारण मौजूदा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से बाहर होने के बावजूद सभी प्रारूपों में अपनी टीमों में शामिल किया है। अलाना किंग को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया है। मेगन शट, ग्रेस हैरिस और हीथर ग्राहम वनडे टीम में शामिल नहीं हैं। मोलिनी महिला बिग बैश लीग में सबसे कम उम्र की कप्तान रह चुकी हैं। उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स में मेग लैनिंग से कप्तानी संभाली और बाद में विक्टोरिया का नेतृत्व किया।

भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमें : टी20 इंटरनेशनल : सोफी मोलिनी (कप्तान), एशले गार्डनर (उप-कप्तान), ताहलिया मैकग्रा (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

वनडे : एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

टेस्ट : एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 221 अंक चढ़ा, निफ्टी 25, 418 के स्तर पर बंद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आर्थिक समीक्षा के अनुसार अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में भारतीय कॉरपोरेट निवेश कम है, जबकि ज्यादातर निवेश रियल एस्टेट से संबंधित, विनियमित या एकाधिकार वाले क्षेत्रों में केंद्रित है. साथ ही भारतीय कंपनियों में लंबी अवधि के जोखिम उठाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने की इच्छाशक्ति की कमी देखी गई है. लोकसभा में गुरुवार को पेश की गई बजट-पूर्व समीक्षा में कहा गया कि तेजी से संरचनात्मक बदलावों से गुजर रहे समाज में, निजी क्षेत्र की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अपने व्यावसायकि लाभ के साथ राष्ट्र-निर्माण में कितना योगदान देता है। बीएसई सेंसेक्स 221.69 अंक चढ़कर 82, 566.37 अंक पर बंद, एनएसई निफ्टी 76.15 अंक बढ़कर 25, 418.90 अंक पर रहा. अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब 91.97 रुपये प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद। इससे पहले कल यानी 28 जनवरी को शेयर बाजार में तेजी रही थी। सेंसेक्स 487 अंक चढ़कर 82, 344 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी भी 167 अंक चढ़ा, ये 25, 342 के स्तर पर बंद हुआ था।

जेनिफर संग शादी की खबरों पर करण वाही ने तोड़ी चुप्पी, हाथ जोड़कर कहे बस ये दो शब्द

इन दिनों टीवी के दो सितारे एक्टर करण वाही और एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। दरअसल, दोनों की दोस्ती काफी समय से चर्चा में है, लेकिन इस बीच अचानक उनकी शादी की अफवाहें उड़ने लगी। सोशल मीडिया पर दावे किए जाने लगे कि, करण और वाही जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। वहीं अब इन रूमर्स के बीच एक्टर ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए दो शब्द कहे हैं।

जैसे ही सोशल मीडिया पर करण वाही और जेनिफर विंगेट की शादी की खबरें वायरल हुई वैसे ही बधाइयों का तांता लग गया, लेकिन अब इन खबरों पर एक्टर ने चुप्पी तोड़ी और शादी की खबरों को सीधे-सीधे 'फेक न्यूज़' बताया है। करण वाही ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बिना किसी लाग-लपेट के दो शब्दों में अपनी बात खत्म करते हुए शादी की अफवाहों का जवाब दे दिया है।

करण वाही ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'फ्री की पीआर के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया।' साथ ही में एक्टर ने हाथ जोड़ने वाला इमोजी भी बनाया है। अपनी इस पोस्ट में एक्टर ने न तो शादी का जिक्र किया है और न ही किसी का नाम लिया है, लेकिन ये क्रिप्टिक पोस्ट उस समय आया जब उनकी और जेनिफर की शादी की अफवाहें उड़ रही थी। ऐसे में अब इसे एक्टर का उन अफवाहों का जवाब माना जा रहा है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि, करण वाही और जेनिफर विंगेट टीवी इंडस्ट्री में शुरुआती दिनों से ही गहरे दोस्त रहे हैं और इनकी दोस्ती आए दिन चर्चा में रहती हैं। करण औ जेनिफर ने साल 2007 में पॉपुलर शो 'दिल मिल गए' में साथ काम किया था। वहीं करीब 14 साल बाद ये जोड़ी एक बार फिर साथ आई और साल 2024 में वेब सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' में फिर से दोनों को साथ देखा गया। आपको बता दें कि, जेनिफर विंगेट ने साल 2012 में एक्टर करण सिंह ग्रोवर से शादी रचाई थी, लेकिन दोनों का रिश्ता ज्यादा दिनों तक चल नहीं पाया और महज 2 साल में ही दोनों ने तलाक लेकर अपनी राहें जुदा कर ली। जहां करण सिंह अपनी लाइफ में आगे बढ़ चुके हैं और बिपाशा बसु से शादी कर अपनी खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं, वहीं जेनिफर आज भी सिंगल हैं।

अलीना आमिर के '4 मिनट 40 सेकेंड प्राइवेट वीडियो' के पीछे है खरतनाक साजिश, गलती से भी लिंक पर ना करें क्लिक

सोशल मीडिया पर इन दिनों प्राइवेट वीडियो की बाढ़ आई है। जब सच्चाई सामने आती है तो पता चलता है कि ये वायरल वीडियोज फेक निकलते हैं। अब पाकिस्तान की सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अलीना आमिर का कथित 4 मिनट 40 सेकेंड का प्राइवेट वीडियो चर्चा में आ गया है। इस वीडियो के सुर्खियों में आने के बाद अलीना आमिर ने एक वीडियो शेयर कर बताया है कि उन्हें बदनाम किया जा रहा है और इसके साथ ही पंजाब की सीएम मरियम नवाज से ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इसी बीच आपको बताते हैं कि इस तरह से डीपफेक वीडियो वायरल करके स्कैमर्स आपके अकाउंट को खाली करते हैं। यहां तक कि यूजर्स को हनीट्रैप में फंसाने की साजिश भी सामने आई है। अब इन डीपफेक वीडियो के जरिए यूजर्स को जाल में फंसाने का नया तरीका सामने आया है। आइए जानते हैं कि जालसाजों ने इन डीपफेक वीडियोज के जरिए फंसाने का क्या तरीका अपना रहे हैं। अलीना आमिर के फेक प्राइवेट वीडियो वायरल होने के बाद चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि साउथ एशिया में सट्टेबाजी ऐप्स पर लोगों को आकर्षित करने के लिए डीपफेक वीडियोज का इस्तेमाल किया जाता है। इन सट्टेबाजी ऐप्स वाले डीपफेक वीडियोज जरिए लालच देते हैं। इसके बाद यूजर्स जैसे ही लिंक पर क्लिक करते हैं तो वीडियो की जगह सट्टेबाजी ऐप्स को डाउलोड करने का डायरेक्शन मिलता है।

यहां से जो यूजर्स समझ जाता है तो वो बच जाता है और जो आगे बढ़ता है तो ठगी का शिकार हो जाता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे फेक वीडियोज को लेकर साइबर एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में मोबाइल पर इंटरनेट का डेटा का इस्तेमाल सबसे ज्यादा है। इंटरनेट यूजर्स बड़ी हस्तियों के जिंदगी के बारे में जानने के उत्सुक रहते हैं। डीपफेक वीडियोज के जरिए लोगों को ठगने वालों को पता है कि इन देशों में यूजर्स में एक कमी होती है कि वह सच्चाई जाने बिना लिंक पर क्लिक करते हैं। उन्हें इस बात की परवाह नहीं होती है कि वह कई तरह के जोखिम उठा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद इन लिंक्स को खोलने की कोशिश करते हैं। साइबर एक्सपर्ट्स कि लोगों के चेतावनी है कि इन फेक वीडियोज के लिंक पर क्लिक करने से बचें।

महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने भारी बर्फबारी के बीच श्रीनगर-कटरा खंड का निरीक्षण किया; शून्य से नीचे तापमान में कर्मचारियों की सुरक्षा को दी प्राथमिकता

नई दिल्ली।उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने आज श्रीनगर से कटरा रेल खंड का गहन निरीक्षण किया। यह निरीक्षण ऐसे महत्वपूर्ण समय में किया गया है जब कश्मीर घाटी भारी बर्फबारी और शून्य से नीचे (सब-जीरो) तापमान के कारण मौसम की कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही है।

प्रमुख स्टेशनों और बुनियादी ढांचे का निरीक्षण

अपने दौरे के दौरान, महाप्रबंधक ने श्रीनगर, पंपोर, अनंतनाग और काजीगुंड सहित कई प्रमुख स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भीषण सर्दी के बावजूद यात्रियों को असुविधा न हो।

श्री वर्मा ने विभिन्न सुरंगों और पुलों पर चल रहे रखरखाव और निर्माण कार्यों की समीक्षा पर विशेष ध्यान दिया। उच्चतम सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से पॉइंट्स, स्विच और टर्नआउट्स

सहित महत्वपूर्ण ट्रैक तत्वों का निरीक्षण किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कड़ाके की ठंड के दौरान भी वे सुचारू रूप से कार्य करते रहें।

कर्मचारियों और सुरक्षा पर फोकस

निरीक्षण का एक मुख्य आकर्षण महाप्रबंधक का कर्मचारियों (ग्राउंड स्टाफ) और ट्रैक मेंटेनर्स के साथ संवाद था। जमा देने वाली ठंड में काम करने के प्रति उनके समर्पण को स्वीकार करते हुए, श्री वर्मा ने सर्दियों के दौरान पटरियों के रखरखाव में उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में उनसे सीधा फीडबैक लिया।

'शून्य से नीचे के तापमान में अथक परिश्रम करने वाले हमारे कर्मचारियों की सुरक्षा और कल्याण सर्वोपरि है,' श्री वर्मा ने कहा।

उन्होंने साथ आए अधिकारियों को निर्देश दिया कि कर्मचारियों को सभी आवश्यक शीतकालीन उपकरण और सुरक्षा गियर तत्काल उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए ट्रैक के रखरखाव को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कार्यबल पूरी तरह से सुसज्जित होना चाहिए।

निरीक्षण का समापन करते हुए, महाप्रबंधक ने क्षेत्र में चल रही अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त समय सीमा का पालन करने की सलाह दी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रेल नेटवर्क मजबूत बना रहे और मौसम के कारण विकास कार्यों में बाधा न आए।

गणतंत्र दिवस पर परेड में महाराष्ट्र का चित्ररथ देश में सर्वश्रेष्ठ

नई दिल्ली। देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित भव्य समारोह में महाराष्ट्र की सांस्कृतिक भव्यता का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। इस वर्ष की परेड में राज्यों के चित्ररथों में महाराष्ट्र के चित्ररथ को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से घोषित परिणामों के अनुसार इस श्रेणी में जम्मू-कश्मीर राज्य ने द्वितीय तथा केरल राज्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

इस वर्ष महाराष्ट्र ने 'गणेशोत्सव : आत्मनिर्भरता का प्रतीक' इस संकल्पना पर आधारित चित्ररथ प्रस्तुत किया था। इस चित्ररथ के माध्यम से महाराष्ट्र की समृद्ध लोकसंस्कृति, गणेशोत्सव की सामाजिक परंपरा तथा इसके माध्यम से मिलने वाला आर्थिक रोजगार और आत्मनिर्भरता का संदेश अत्यंत प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। चित्ररथ पर विराजमान भव्य गणेश प्रतिमा, पारंपरिक ढोल-ताशा पथक और लेझीम खेलने वाले कलाकारों के जोश ने पूरे परेड मार्ग को उत्साह से भर दिया। इस प्रभावी प्रस्तुति के कारण निर्णायक मंडल ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के समूह में महाराष्ट्र के चित्ररथ को सर्वश्रेष्ठ चित्ररथ के रूप में चयनित किया।

केवल राज्य श्रेणी में ही नहीं, बल्कि अन्य विभागों में भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। इसमें सैन्य बलों की श्रेणी में 'भारतीय नौसेना' तथा अर्धसैनिक बलों की श्रेणी में 'दिल्ली पुलिस' की परेड को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। केंद्रीय मंत्रालयों के समूह में संस्कृति मंत्रालय के चित्ररथ को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ, जबकि केंद्रीय लोक निर्माण विभाग और 'वंदे मातरम्' नृत्य समूह को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

दिल्ली में पांच स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, जांच के बाद अफवाह निकली

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार सुबह पांच स्कूलों को बम से उड़ाने की ईमेल के जरिये मिली धमकियां जांच के बाद अफवाह साबित हुईं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, इन धमकियों के बारे में उन्हें सुबह करीब 8.30 बजे सूचना मिली जिसके बाद कई सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और परिसरों की व्यापक तलाशी ली गयी।

डीएफएस ने पुष्टि की कि दिल्ली कैंटोनमेंट स्थित लॉरेटो कॉन्वेंट, चित्तरंजन पार्क के डॉन बोस्को तथा आनंद निकेतन और द्वारका में स्थित कार्मल कॉन्वेंट स्कूल परिसरों को धमकियां मिली थीं।

वहीं, दिल्ली के लोधी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय ने अभिभावकों को एक संदेश भेजकर घटना के बारे में सूचित कर दिया था। इसी के साथ पुलिस और दमकल विभाग को भी सूचना दी थी जिसके बाद सभी परिसर को खाली कराकर जांच की गई।

भारतीय वायुसेना के वीडियो से उड़ गये पाकिस्तान के होश, किराना हिल्स, सरगोधा एयरबेस और नूर खान एयरबेस बने थे निशाना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय वायुसेना द्वारा जारी एक दमदार वीडियो ने एक बार फिर पूरे सामरिक जगत में हलचल मचा दी है। वीडियो में पाकिस्तान के भीतर स्थित कई सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमलों के दृश्य दिखाए गए हैं। इनमें सरगोधा क्षेत्र के सैन्य ठिकाने, नूर खान एयरबेस और अन्य अहम परिसंपत्तियां शामिल हैं। इसी वीडियो के साथ राफेल, सुखोई, जगुआर और तेजस जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की झलक दिखाई गई और पंक्ति उभरी- शांति के प्रवर्तक।

इस वीडियो के सामने आने के बाद यह प्रश्न फिर से जोर पकड़ गया है कि क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के परमाणु भंडारण क्षेत्र किराना हिल्स को निशाना बनाया था? हम आपको याद दिला दें कि पिछले वर्ष ऑपरेशन के बाद एयर मार्शल एके भारती ने स्पष्ट कहा था कि भारत ने किराना हिल्स पर हमला नहीं किया। वायुसेना अब भी आधिकारिक रूप से इसी रुख पर कायम है।

हालांकि इस बार वीडियो में जो दृश्य दिखे हैं, उन्होंने अटकलों को और तेज कर दिया है। खासकर सरगोधा के मुशाफ एयरबेस के आसपास के इलाके, जिनका संबंध भूमिगत सैन्य संरचनाओं से जोड़ा जाता रहा है। एक स्विस रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह भी कहा गया कि इन हमलों के बाद पाकिस्तान को शांति की अपील करनी पड़ी।

वीडियो में महिषासुर मर्दिनी की पृष्ठभूमि धुन के साथ सिंदूर फॉर्मेशन में उड़ते लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक हथियार प्रणाली दिखाई गई। राफेल पर मेटिओर मिसाइल, सुखोई पर ब्रह्मोस और अस्त्र, जगुआर पर गहरी मार करने वाली मिसाइलें और अन्य सटीक हथियारों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय वायुसेना किसी भी स्तर

पर जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है।

देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर और उससे जुड़ा यह वीडियो केवल दृश्य प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक ठोस सामरिक संदेश है। यह संदेश दुश्मन के लिए भी है और दुनिया के लिए भी। भारत अब सिर्फ प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं रहा, बल्कि अपनी शर्तों पर निर्णायक कार्रवाई करने की क्षमता रखता है। भारतीय वायुसेना ने यह दिखा दिया है कि वह शांति की सबसे मजबूत गारंटर है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर वही शक्ति विनाशकारी प्रहार में भी बदल सकती है।

किराना हिल्स को लेकर बना रहस्य दरअसल रणनीतिक धुंध का हिस्सा है। आधुनिक युद्ध केवल बम और मिसाइल से नहीं, बल्कि अनिश्चितता और मनोवैज्ञानिक दबाव से भी लड़ा जाता है। जब भारत यह कहता है कि उसने उस क्षेत्र पर हमला नहीं किया, लेकिन दृश्य और उपग्रह चित्र कुछ और संकेत देते हैं, तो दुश्मन की रणनीतिक गणना हिल जाती है। यह स्थिति पाकिस्तान के नीति नियंताओं को हर कदम सोच समझ कर रखने को मजबूर करती है।

सामरिक दृष्टि से ऑपरेशन सिंदूर का सबसे बड़ा निहितार्थ यह है कि भारत ने पारंपरिक और परमाणु दहलीज के बीच की जगह में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। सटीक हथियार, गहरी मार की क्षमता और रियल टाइम खुफिया जानकारी के साथ भारत अब सीमित लेकिन निर्णायक कार्रवाई कर सकता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आतंकवाद के पीछे छिपे ढांचों को चाहे सीमा के पास हों या देश के भीतर गहराई में, कहीं भी सुरक्षित ठिकाना नहीं मिलेगा।

भारतीय वायुसेना के शौर्य को सलाम इसलिए भी जरूरी है क्योंकि उसने यह सब बिना अनावश्यक शोर शराबे के किया। न कोई जल्दबाजी, न कोई बेतुकी बयानबाजी। केवल पेशेवर दक्षता, तकनीकी श्रेष्ठता और अडिग संकल्प। राफेल, सुखोई, तेजस और जगुआर केवल विमान नहीं, बल्कि भारत की बदलती सैन्य सोच के प्रतीक हैं।

बहरहाल, यह घटनाक्रम यह भी दर्शाता है कि भारत अब केवल रक्षा मुद्रा में नहीं, बल्कि सक्रिय प्रतिरोध की नीति पर चल रहा है। जो आंखें शांति भंग करने की कोशिश करेंगी, उन्हें शांति के प्रवर्तक नहीं बल्कि शांति के प्रवर्तक की कठोर भुजा का सामना करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिंदूर इसी नए भारत की घोषणा है और भारतीय वायुसेना उसकी सबसे तेज धार है।

जापानी प्रधानमंत्री ने चीन को दिखाई आंख

कहा-ताइवान युद्ध में अमेरिका पर हमला हुआ तो देंगे कड़ा जवाब

टोक्यो **(एजेंसी)**। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने ताइवान को लेकर बेहद सख्त और स्पष्ट रुख अपनाया है। उन्होंने कहा है कि अगर ताइवान में कोई बड़ा संकट पैदा होता है और वहां अमेरिकी सेना पर हमला किया जाता है, तो जापान मूकदर्शक नहीं बनेगा, बल्कि दखल देगा। टोक्यो में एक टीवी कार्यक्रम के दौरान ताकाइची ने कहा कि ऐसी स्थिति में अगर जापान ने कुछ नहीं किया तो अमेरिका के साथ उसका सुरक्षा गठबंधन कमजोर पड़ जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि ताइवान का मामला सिर्फ एक क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि जापान की सुरक्षा और उसके अंतरराष्ट्रीय रिश्तों से जुड़ा हुआ है।

निक्केई एशिया के मुताबिक, ताकाइची ने यह भी कहा कि आपात स्थिति में ताइवान में फंसे जापानी और अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर अमेरिकी सेना पर हमला होता है और हम दूरी बनाते हैं, तो फिर हमारे गठबंधन का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।'प्रधानमंत्री ने यह भी साफ किया कि सैन्य हमले जैसी इमरजेंसी में जापान हालात का आकलन करेगा और मौजूदा कानूनों के दायरे में रहकर जवाब देगा। उनका कहना था कि नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।ताकाइची का यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन

लगातार ताइवान पर अपना नियंत्रण जताने के संकेत दे रहा है। इससे ताइवान पर संभावित चीनी सैन्य कार्रवाई की आशंका और गहरी हो गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में भी ताकाइची ने जापानी संसद में कहा था कि ताइवान के खिलाफ चीन की नाकेबंदी या सैन्य कार्रवाई जापान के अस्तित्व के लिए खतरा हो सकती है। उस बयान पर चीन ने कड़ी नाराजगी जताई थी और दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया था।चीन के दबाव के बाद ताकाइची ने दिसंबर में कहा था कि जापान का ताइवान पर रुख 1972 से नहीं बदला है, लेकिन अब उनके ताजा बयान से साफ है कि टोक्यो ताइवान के मुद्दे पर पीछे हटने के मूड में नहीं है। इससे एक बार फिर चीन-जापान रिश्तों में तल्खी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

एक हफ्ते में दूसरा भीषण हादसाः दक्षिण अफ्रीका में टैक्सी-ट्रक टक्कर में 11 की मौत

केप टाउन **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका में एक बार फिर दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। पूर्वी क्वाज़ुलु-नताल प्रांत में एक मिनीबस टैक्सी और ट्रक की जोरदार टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक स्कूली बच्चा भी शामिल है। प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनिसो डूमा ने बताया कि यह आंकड़ा शुरुआती जानकारी पर आधारित है और मरने वालों की संख्या बढ़ भी सकती है। हादसा इतना भीषण था कि कई यात्रियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

निजी आपातकालीन सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जेमिसन के अनुसार, हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मिनीबस का ड्राइवर टक्कर के बाद मलबे में फंस गया था, जिसे बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब एक हफ्ते पहले ही दक्षिण अफ्रीका में मिनीबस टैक्सी और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में 14 स्कूली बच्चों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रहे इन हादसों ने देश में सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा, तेज रफ्तार और लापरवाही पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और लोगों से यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

फिल्म 'धुरंधर' का एक्टर गिरफ्तार, 10 साल तक नौकरानी का करता रहा शोषण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। फिल्म इंडस्ट्री से एक गंभीर मामला सामने आया है। हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' में नजर आए अभिनेता नदीम खान को घरेलू सहायिका से शादी का वादा कर वर्षों तक यौन शोषण करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, 41 वर्षीय महिला ने अभिनेता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद 22 जनवरी को नदीम खान को गिरफ्तार किया गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि खान ने उससे शादी का वादा कर करीब 10 वर्षों तक कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया।

शिकायत के मुताबिक, महिला अलग-अलग अभिनेताओं के यहां घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। इसी दौरान वर्षों पहले उसकी मुलाकात नदीम खान से हुई और दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। महिला का आरोप है कि अभिनेता ने भरोसा दिलाया कि वह उससे शादी करेगा और इसी भरोसे के आधार पर उसने शारीरिक संबंध बनाए।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने मालवानी स्थित अपने घर और वर्सोवा स्थित अपने आवास पर कई बार उसके साथ जबरन संबंध बनाए। बाद में अभिनेता ने शादी करने से इनकार कर दिया।

महिला ने शुरुआत में वर्सोवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, चूंकि पहला कथित अपराध मालवानी क्षेत्र में हुआ था और पीड़िता भी उसी इलाके की रहने वाली है, इसलिए मामले को 'जीरो एफआईआर' के तहत मालवानी पुलिस को स्थानांतरित कर दिया गया है।

फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मौलाना की शहबाज सरकार को खुली धमकी

पाकिस्तान में 'खुलेआम तोड़ेंगे' कानून, 10 साल की लड़कियों की कराएंगे शादी

लाहौर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान में एक बार फिर कट्टरपंथ और कानून के बीच टकराव खुलकर सामने आ गया है। जमीत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने शहबाज शरीफ सरकार द्वारा लाए गए पारिवारिक कानून सुधारों का खुला विरोध करते हुए विवादास्पद बयान दिया है। मौलाना फजलुर रहमान ने बाल विवाह रोकथाम बिल 2025 के खिलाफ बोलते हुए कहा कि वह इसके विरोध में 10 साल तक के बच्चों की शादी कराएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह इन शादियों में स्वयं शामिल होंगे और सरकार के कानून को 'खुलेआम तोड़ेंगे'।

पाकिस्तानी संसद ने हाल ही में घरेलू हिंसा (रोकथाम और संरक्षण) अधिनियम 2026 पारित किया है, जिसमें बच्चों और महिलाओं के खिलाफ शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक हिंसा को अपराध घोषित किया गया है। इसके साथ ही इस्लामाबाद क्षेत्र में शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल तय की गई है। मौलाना फजलुर रहमान ने इन कानूनों को 'गैर-इस्लामी और असंवैधानिक' बताते हुए कहा कि संसद को धार्मिक मामलों में दखल देने का अधिकार नहीं है।

उन्होंने मांग की कि इन कानूनों को इस्लामिक विचारधारा परिषद के पास भेजा जाए। उनके इस बयान के बाद पाकिस्तान में राजनीतिक दलों, मानवाधिकार संगठनों और महिला अधिकार कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह विवाद पाकिस्तान में धार्मिक सत्ता, संविधान और मानवाधिकारों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष को फिर उजागर करता है।

यूनुस का कबूलनामा : धोखाधड़ी में वर्ल्ड चैंपियन बना बांग्लादेश, दुनिया में बुरी तरह गिरी देश की साख

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने एक चौंकाने वाला और शर्मनाक खुलासा किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि बांग्लादेश ने धोखाधड़ी और जालसाजी के कारण 'दुनिया के चैंपियन' जैसी बदनामी कमा ली है। उनके मुताबिक, बड़े पैमाने पर नकली दस्तावेजों ने देश की अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता को गहरा नुकसान पहुंचाया है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यूनुस ने कहा, 'सब कुछ नकली है पासपोर्ट नकली, वीजा नकली। कई देश हमारे पासपोर्ट स्वीकार ही नहीं करते।' उन्होंने यहां तक कहा कि बांग्लादेश एक तरह से 'धोखाधड़ी की फैक्ट्री' बन गया है।

यूनुस ने यह बातें ढाका के बांग्लादेश-चीन फ्रेंडशिप कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित चार दिवसीय डिजिटल डिवाइस एंड इनोवेशन एक्सपो 2026 के उद्घाटन के दौरान कहीं। उन्होंने बताया कि विदेशों में बांग्लादेशियों के वीजा रिजेक्ट होने की सबसे बड़ी वजह जाली दस्तावेज हैं, जिनमें नकली शैक्षणिक प्रमाण पत्र भी शामिल हैं। यूनुस ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि एक महिला ने खुद को डॉक्टर बताकर वीजा के लिए आवेदन किया, लेकिन जांच में उसके सभी दस्तावेज फर्जी निकले। इन घटनाओं के कारण कई देशों ने बांग्लादेशी नागरिकों, यहां तक कि नाविकों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी है।

इससे न केवल आम लोगों की परेशानियां बढ़ी हैं, बल्कि देश की छवि को भी गहरा आघात पहुंचा है।यूनुस ने चेतावनी देते हुए कहा कि तकनीक और बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल गलत उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने बांग्लादेशियों से अपील की कि टेक्नोलॉजी को धोखाधड़ी का साधन न बनाएं। उन्होंने कहा, 'अगर हमें आगे बढ़ना है तो ईमानदारी और निष्पक्षता अपनानी होगी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)